G.D.C. CHHATRI
विद्या धनम् सर्वधनम् प्रधानम्

प्रथम संस्करण

सत्र
2023–24
एवम्
2024–25

हिमालिका

राजकीय महाविद्यालय छतरी

जिला मण्डी (हि०प्र०) 175047

gcchhatri-man@hp.gov.in
www.gdcchhatri.ac.in
01907292121

EDITOR-IN-CHIEF

Dr. Lalit Kumar
Department of Hindi

STAFF EDITORS

Dr. Labh Singh
Staff Editor
Planning Section

Dr. Lalit Kumar
Staff Editor
Hindi Section

Prof. Jai Singh
Staff Editor
Pahari Section

Prof. Reeta Devi
Staff Co-Editor
Pahari Section

STUDENT EDITORS

Rahul (B.A. III)
Student Editor
Planning Section

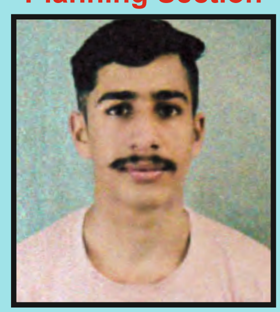

Ashmit (B.A. III)
Student Editor
Hindi Section

Harish Lata (B.A. III)
Student Editor
Pahari Section

Parent Teacher Association (PTA)

1st PTA President Sh. Bansi Lal with Principal

PTA Vice-President Sh. Ram Dass Thakur with Prof. Jai Singh

PTA President Sh. Bala Ram sharing his views

PTA Consultant Sh. Bhawani Dutt Lathi (rendering services) as a Reporter Mynet TV

PTA Office Bearers (Session 2023-24)

PTA Body with Staff & Guest during Annual Function 2023-24

PTA Body with Chief Guest & Other Dignitaries

President & Vice-President, PTA Presenting a memento to Vanita

College Students Central Association (CSCA)

Social Worker Sh. Jagdish Thakur as a Chief Guest in CSCA Function (2022-23)

Students, Staff & PTA presenting Memorandum to Sh. Jagdish Thakur

CSCA Convener, Prof. Jai Singh delivering his speech

Student Amisha holding the Stage during CSCA Annual Function (2024-25)

Student Ashmit anchoring on the occasion of CSCA Function (2024-25)

CSCA President Ankita Chauhan voicing her Speech

Saraswati Vandana presentation by Anjali, Banakshi & Friends

Anu Deepak & Reshma performing Dual Dance

'THE FRUITS OF VICTORY'

'Run for the Gold'
(Annual Athletic Meet 2023-24)

'Sky is the limit'
Twinkle performing High Jump

'Winners' Paradise'
Dishant, Naresh & Ashmit with medals

'Victory's Rewards'
Twinkle, Pooja & Nisha winning medals

Ashmit - Best Athlete among Boys (2024-25)

Twinkle - Best Athlete among Girls (2024-25)

Dishant - Best Athlete among Boys (2023-24)

Nisha - Best Athlete among Girls (2023-24)

'RHYTHM DIVINE'

Uma, Balwant & Friends presenting
Saraswati Vandana

Nisha & Friends in action during Pahari Dance

Ashmit & Friends presenting Pahari Nati

Nisha, Amisha & Friends performing Seraji Nati

Dual Dance by Babli & Monika

Reena, Nisha & Friends during Punjabi Dance

Presenting Culture - Himachali Dance by
Amisha, Ankita & Friends

Punjabi Dance by Anu Deepak,
Reshma & Friends

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh, Shimla-171001
Tel. : 0177-2656621, Fax: 0177-2811347
E-mail: dhe-sml-hp@gov.in

Message

It is a matter of immense delight for me to know that your college is going to publish the college magazine.

College magazine is a very useful medium for young minds to express their bristling ideas and thoughts. It gives a chance to students, the budding writers, to get the attention of others through their creative and contemporary writings. It is an essential ingredient of college regular activities and documentation of such events. The true purpose of higher education is to open the horizons for the curious young minds and to refine and polish them in such a way that they become responsible citizens of our country.

I wish your college a great future and grand success to the college magazine. I also congratulate the Editor(s) of the magazine and wish everyone all the best in their ventures.

Jai Hind.

(Dr. Amarjeet K. Sharma)

Principal (Officiating)
GDC Chhatri (HP)
(M) 9418546846/01907292121(O)
labhg475@gmail.com

Principal's Message

Dear Learners,

Welcome to Government Degree College Chhatri, the rising sun enlightening the young aspiring minds of rural areas and breaking the boundaries of geographical hardship in the path of knowledge attainment. It is the First ever edition of the college magazine *Himalika,* encompassing vivid information as shared by worthy teachers and students. The foundational issue of magazine *Himalika* is engrossed with galaxy of activities organised by the college since its inception June 2022 especially focused on academic session 2023-24 and 2024-25. I am extremely happy and thankful to the editorial groups and authors for sharing their creative articles in the magazine. The compiling and editing efforts made by Chief editor Dr Lalit Kumar are highly appreciable. I express my gratitude to Adarsh Printing Press Karsog for printing and publishing the magazine *Himalika* in spite of quantity and budget constraints.

I expect active participation of teacher and students in improving the quality level of magazine *Himalika*'s future edition and hope that it would immensely contribute towards the college motto 'Education for Wholesome Development'.

Good luck and wish you all success in life.

Dr. Labh Singh Thakur

प्रधान-संपादक
'हिमालिका'
राजकीय महाविद्यालय छतरी

प्रधान-संपादक की कलम से...

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय छतरी इस वर्ष अपनी वार्षिक पत्रिका 'हिमालिका' का प्रथम संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है। इस पत्रिका के प्रकाशन पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह पत्रिका हमारे कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां वे अपनी प्रतिभा और विचारों को व्यक्त कर सकते हैं।

यह मेरे लिए अत्यंत खुशी की बात है कि हम आज अपनी कॉलेज पत्रिका के इस नए अंक को आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। यह पत्रिका हमारे कॉलेज की गतिविधियों और उपलब्धियों का एक दर्पण है, जो हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के रचनात्मक और बौद्धिक प्रयासों को प्रदर्शित करती है। इस पत्रिका में आप विभिन्न विषयों पर लेख और कविताएं इत्यादि पाएंगे जो हमारे कॉलेज जीवन को जीवंत करते हैं। मैं विशेष रूप से उन सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होने इस पत्रिका को बनाने में अपना योगदान दिया है।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका हमारे कॉलेज समुदाय को एक साथ जोडेगी। मैं सभी को इस पत्रिका का आनंद लेने और इसमें प्रकाशित सामग्री से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

अंत में, मैं एक बार फिर से सभी को इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई देता हूं और आशा करता हूँ कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

शुभकामनाओं सहित।

डॉ० ललित वर्मा
प्रधान-संपादक 'हिमालिका'

वार्षिक-प्रतिवेदन

राजकीय महाविद्यालय छतरी जिला मण्डी (हि0प्र0) - 175047

शैक्षकि सत्रः 2023 - 2024

भोगौलिक परिदृश्य:

समुद्र तल से 5000 फीट की उंचाई पर प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण राजकीय महाविद्यालय छतरी जिला मुख्यालय मण्डी से 120 कि0 मी0 दूर, मण्डी-कुल्लू सीमा पर स्थित है। 'विद्या धनम् सर्व धनम् प्रधानम्' मूल विषय पर आधारित राजकीय महाविद्यालय छतरी 14 पंचायतों का अध्ययन केन्द्र है। कृषि बागवानी और सरकारी क्षेत्र से जुडे छतरी वासियों का अध्ययन क्षेत्र में अपना प्रगतिशील इतिहास रहा है। श्री मगरू महादेव जी का सतलुज शैली में निर्मित द्वापर युगीन प्राचीन शिव मन्दिर यहां की आस्था का मुख्य आकर्षण है। छतरी को 'सेब घाटी' के नाम से भी जाना जाता है।

छतरी का नामकरण:

छतरी गांव के नामकरण के सम्बन्ध में कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं है अपितु सामान्य तौर पर छाता (Umbrella) की तरह भोगौलिक स्थिति होने के कारण इस स्थान को छतरी कहा जाता है। छतरी गांव के चारों तरफ पहाड़ियां हैं और बीच में छतरी क्षेत्र है इसलिए छाते की भांति आकृति होने के कारण इस गांव को छतरी कहा गया। मिथक प्रचलित है कि कंकर -पत्थर वाली पथरीली जमीन होने के कारण इस गांव को 'कांकरधार' के नाम से भी जाना जाता है जो कि टिपरा खड्ड से धाराखड के बीच के ब्राह्मण गांव के रूप में आज भी विद्यमान है। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस गांव में एक देवदार का पेड़ था, उस पेड़ की उंचाई अधिक नहीं थी। छोटा आकार होने के कारण इस पेड़ की आकृति 'छत्तर' की तरह बन गई और इसी पेड़ के कारण भी इस गांव का नाम छतरी पड़ा।

महाविद्यालयः ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

सराज विधान क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय छतरी 9 जून 2022 को अस्तित्व में आया जिसमें कला स्नातक और वाणिज्य संकाय के सत्र शुरू करने की अनुमति हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दी गई। महाविद्यालय छतरी में कुल 18 पद सृजित किए गए हैं जिसमें 1 पद प्राचार्य, 6 पद सहायक आचार्य, 1 पद सहायक लाईब्रेरियन, 1 पद अधीक्षक ग्रेड- II, 1 पद वरिष्ठ सहायक, 2 पद जे0 ओ0 ए0 (आई0 टी0) 3

पद सेवादार और 2 पद चौकीदार के सृजित किए गये हैं।

पठन पद्धति एवं विषय चयन:

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने वर्ष 2013-14 से स्नातक स्तर पर सी0बी0सी0एस0 प्रणाली लागू की है। इसी प्रणाली को सरदार पटेल विश्व विद्यालय मण्डी ने भी लागू किया है। वर्तमान में महाविद्यालय में सी0बी0सी0एस0 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर वार्षिक परीक्षा प्रणाली समान रूप से चल रही है।

नियुक्तियां एवं रिक्तियाँ:

महाविद्यालय स्थापना के तुरंत बाद 27 जून 2022 को कुछ समय के लिए डॉ0 ललित वर्मा को इस महाविद्यालय का 'आहरण एवं वितरण अधिकारी' नियुक्त किया गया। इसके बाद श्री बिहारी लाल, श्रीमती सेनापतु, श्रीमती मैना देवी, श्रीमती शक्लू देवी तथा सुनीता देवी ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में इस महाविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। 29 अगस्त 2022 को इस महाविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ0 लाभ सिंह ठाकुर जी ने सहायक आचार्य और अर्थशास्त्र प्राचार्य के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। 05 सितम्बर, 2022 को प्रो0 जय सिंह नेगी सहायक आचार्य इतिहास के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की। 20 सितम्बर, 2022 को श्री हरि सिंह लिपिक ने इस महाविद्यालय में अपना कार्यभार संभाला। 14 जुलाई, 2023 को प्रो0 रीता जी ने इस महाविद्यालय में बतौर सहायक राजनीति शास्त्र अपनी सेवाएं शुरू की तथा 17 जनवरी, 2024 को श्री कमलकांत ने सहायक लाइब्रेरियन के रूप में अपनी सेवाएं देना आरंभ की है।

केन्द्रीय छात्र संघ:

सरदार पटेल विश्व विद्यालय के निर्देशानुसार हर वर्ष महाविद्यालय में वरीयता के आधार पर केन्द्रीय छात्र संघ के सदस्य चयनित किए गये। महाविद्यालय में केन्द्रीय छात्र संघ पदाधिकारी क्रम इस प्रकार से है-

क्रं सं	पद	नाम
1	अध्यक्ष	सुश्री उमा देवी
2	उपाध्यक्ष	सुश्री गीना ठाकुर
3	सचिव	सुश्री रमीता
4	सहसचिव	सुश्री चांदनी
5	कक्षा- प्रतिनिधि	सुश्री दिव्या - प्रथम वर्ष
6	कक्षा – प्रतिनिधि	सुश्री अंकिता - द्वितीय वर्ष

विद्यार्थियों की संख्या एवंम् परीक्षा परिणाम:

सत्र 2022-2023 के लिए महाविद्यालय में 108 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया जिसमें 45 छात्र तथा 63 छात्राएं हैं जिसमें अनुसूचित जाति के 28 तथा अन्य पिछडा वर्ग के 05 तथा सामान्य वर्ग के 75 छात्र महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विषयवार पंजीकरण की दृष्टि से अर्थशास्त्र में 5 हिन्दी में 80 इतिहास में 90 राजनीति में 48 और अंग्रेजी में 60 छात्र शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। सत्र 2022-23 में इस महाविद्यालय में 50 विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा में भाग लिया जिसका परिणाम लगभग 95 प्रतिशत रहा जो एस.पी.यू. के परीक्षा - परिणाम से अधिक है।

महाविद्यालय बजट:

हिमाचल प्रदेश सरकार पत्र संख्या EDN-HE(9)1-2/2022-23(Build) के अनुसार राजकीय महाविद्यालय छतरी में भवन निर्माण हेतू 5 करोड़ की राशि स्वीकृत है जिसमें 10 लाख रूपये लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर हो चुके हैं तथा हिमाचल प्रदेश सरकार पत्र संख्या EDN-HE(4)C(5)12/2022 दिनांक 29 अगस्त 2022 के अनुसार महाविद्यालय में फर्नीचर खरीद हेतू 5 लाख 64 हजार की राशि स्वीकृत हुई है जिसके 110 डेस्क, 2 प्रिंटर, 1 यू0 पी0 एस0 आदि खरीदा जा चुका है। कम्प्यूटर-प्रिंटर खरीद हेतू 2 लाख रूपये की राशि सरकार द्वारा अतिरिक्त रूप से स्वीकृत की गई है जिसे हम खर्च कर चुके हैं। सत्र 2023-24 में पत्र संख्या NO.EDN-EH(4)C 12/2023 के अंर्तगत खेल सामान खरीद हेतू सरकार द्वारा 175000 की राशि स्वीकृत है जिसका विद्यार्थी हित के लिए सामान खरीद लिया गया है।

महाविद्यालय-संबद्धता:

राजकीय महाविद्यालय छतरी सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के अधीन आता है और इस समय महाविद्यालय को विश्वविद्यालय से पत्र संख्या SPU-Mandi/CDC 2023-1064-73 दिनांक 16.02.2023 के द्वारा अस्थायी मान्यता मिल चुकी है।

महाविद्यालय संभावित पत्रिका 'हिमालिका':

इसी सत्र में महाविद्यालय पत्रिका 'हिमालिका' का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है जिसके लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों से रचनाएं आमंत्रित की गई हैं।

पत्रिका का संपादक मण्डल इस प्रकार से है -

प्रधान संपादक	डॉ0 ललित वर्मा
प्राध्यापक संपादक	प्रो0 जय सिंह नेगी
	डॉ0 लाभ सिंह ठाकुर

छात्र-संपादक – हिन्दी संकाय श्री अश्मित

पहाडी संकाय श्री हरीशलता

योजना संकाय श्री राहुल

पुस्तकालयः

पुस्तकालय महाविद्यालय की आत्मा होती है। पुस्तकालय की समृद्धि पर छात्रों का विकास निर्भर है। इस महाविद्यालय में एक अस्थायी पुस्तकालय संचालित किया गया है जिसमें पुस्तक खरीद हेतु धन की आवश्यकता है जिसकी मांग सरकार से की जा चुकी है। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में अमर-उजाला, दिव्य हिमाचल और गिरिराज तथा रोजगार समाचार जैसे समाचार पत्र लगाए गये हैं। इसके साथ ही 'कुरूक्षेत्र' और 'योजना' पत्रिकाएं छात्र अध्ययन के लिए चलाई गई है। पुस्तकालय हेतु पाठ्यपुस्तकें संदर्भ ग्रंथ, शब्दकोश आदि का आदेश प्रकाशकों को दिया जा चुका है तथा कुछ पुस्तकें खरीदी जा चुकीं हैं। श्री कमलकांत के कुशल नेतृत्व में शीघ्र ही नया पुस्तकालय कार्य करना शुरू कर देगा।

अभिभावक - शिक्षक संघ (पी0टी0ए0):

इस महाविद्यालय में दूसरी बार अभिभावक शिक्षक संघ का गठन वर्ष 2022 में किया गया तथा प्राचार्य डॉ0 लाभ सिंह की देख-रेख में दिनांक 05.08.2023 को पी.टी.ए. पदाधिकारियों का चयन किया गया जिनका विवरण इस प्रकार से है -

अध्यक्ष	श्री बाला राम
उपाध्यक्ष	श्री इन्द्र सिंह
सचिव	डॉ0 ललित वर्मा
सह सचिव	श्रीमति शकुन्तला देवी
कोषाध्यक्ष	श्री राज कुमारी
सलाहकार	श्री भवानीदत्त लाठी

पाठ्येत्तर गतिविधियांः

अध्यापक दिवस के अतिरिक्त महाविद्यालयों में 'हिन्दी-दिवस' और 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' का आयोजन किया गया जिसमें भाषण, निबन्ध, नारा लेखन, कविता वाचन, रंगोली और प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार से नवाजा गया।

5 सितम्बर 2022 को महाविद्यालय में 'अध्यापक दिवस' मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा

समस्त प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध लेखन और सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

करियर - कांउसिलिंग सेल:

विद्यार्थियों के जीवन लक्ष्य को सुनिश्चित करने हेतु महाविद्यालय में करियर कांउसलिंग सेल बनाया गया है। इस सेल में समय-समय पर छात्रों को करियर सम्बन्धी जानकारी दी जाती है। प्रो0 जय सिंह नेगी करियर कांउसिलिंग सेल के समन्वयक बनाया गया है।

खेलकूद-गतिविधियां:

23 नवम्बर 2024 को महाविद्यालय में दूसरी बार 'एथलीट मीट' का आयोजन शिंगल मैदान में किया गया जिसका समन्वयक प्रो0 जय सिंह नेगी को नियुक्त किया गया। एथलीट मीट में 100 और 200 मी0 दौड, लम्बी कूद, उंची कूद, भाला फैंकना आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक वितरित किए गए। इस प्रतियोगिता में दीशांत और निशा को क्रमशः पुरूष और महिला श्रेणी में श्रेष्ठ खिलाडी चयनित किया गया।

शैक्षिक भ्रमण:

महाविद्यालय में पाठ्येतर गतिविधियों को बढावा देने के लिए छात्रों का एक दल धार्मिक त्रिवेणी स्थल रिवालसर (मण्डी) गए। जिसमें 60 छात्र उपस्थित रहे। इसके साथ छात्रों का एक दल ऐतिहासिक धार्मिक स्थल सराहन, रामपुर बुशैहर भी गया।

कॉलेज निरीक्षण:

13 दिसम्बर 2023 को सरदार पटेल विश्व विद्यालय मंडी की निरीक्षण टीम जिसके अध्यक्ष डॉ0 करण गुप्ता तथा डॉ0 नेहा, डॉ0 नीलम और प्रो0 सनी नेगी सदस्य के रूप में शामिल थे। उन्होने नये महाविद्यालय का निरीक्षण किया और कॉलेज भवन, कक्षा कक्ष, फर्नीचर और जरूरी दस्तावेजों का अवलोकन किया परिणामस्वरूप महाविद्यालय को अस्थायी संबद्धता प्राप्त हुई है।

रेड रिबन क्लब:

महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के समन्वयक प्रो0 जय सिंह नेगी के नेतृत्व में समस्त स्टॉफ और छात्रों के सहयोग से 28 फरवरी 2024 को 'एडस' जागरूकता पर लगभग 70 छात्रों द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया।

रैली छतरी बस स्टैंड में रूकी जहां छात्रों ने आम नागरिकों को एडस से बचने के उपाय नुक्कड नाटक के माध्यम से बताए। इसके अतिरिक्त इस क्लब द्वारा लेखन, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ0 रीतिका द्वारा एडस जागरूकता सम्बन्धी जानकारी विद्यार्थियों को दी।

<u>शिक्षक वर्ग की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ:</u>

1. डॉ0 लाभ सिंह ठाकुर (सहायक आचार्य अर्थशास्त्र)

आपने 24 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 तक 8 दिन कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल उतराखण्ड से 'आपदा प्रबंधन' का लघु अवधी कोर्स किया तथा इन्होने 2 मार्च 2024 से 15 मार्च 2024 तक इलाहबाद विश्वविद्यालय के अंतर्गत मानव संसाधन विकास सेंटर मालवीय मिशन अध्यापन प्रशिक्षण संस्थान से 'Rejuvenating Teacher Education in context to NEP-2020' विषय पर 14 दिन का रिफ्रैशरज कोर्स पूर्ण किया। इसके साथ में इन्होने विभिन्न विश्विद्यालयों द्वारा ऑनलाईन आयोजित विभिन्न बेविनारों में भाग लिया। साथ में इन्होने ने डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन् डिग्री कॉलेज धर्मपुर से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषय पर 6 दिन का अध्यापन विकास कार्यक्रम पूरा किया।

2. डॉ0 ललित वर्मा (सहायक आचार्य हिन्दी)

डॉ0 ललित वर्मा जी ने मानव संसाधन विकास केन्द्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित दिनांक 06.02.2024 से 18.02.2024 तक हिन्दी और संस्कृत विषय पर संयुक्त रिफ्रैशर्ज कोर्स पूरा किया तथा इन्होने दिनांक 13.03.2024 से 15.03.2024 तक आपदा प्रबंधन सिद्धांत विषय पर हिमाचल पब्लिक सर्विस कमीशन विभाग शिमला से एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। साथ में इन्होने ने डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन् डिग्री कॉलेज धर्मपुर से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' विषय पर 6 दिन का अध्यापन विकास कार्यक्रम पूरा किया।

3. प्रो0 जय सिंह नेगी (सहायक आचार्य इतिहास)

प्रो0 जय सिंह नेगी जी ने राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा दिनांक 24 जनवरी से 9 फरवरी तक आयोजित 'History and Culture of India' विषय पर रिफ्रैशर्ज कोर्स पूरा किया। तथा इन्होने 1 फरवरी 2024 को राजकीय महाविद्यालय जीरथ मध्यप्रदेश से 'Technology for Blended NWT BLT2023' विषय पर वेबीनार पूरा किया तथा साथ ही 24-25 जनवरी 2024 को CSSR PG College Kamlapuram (अरूणाचल प्रदेश) से 'Tally priem 4.0 & SAP FICO' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार पूरा किया। साथ में इन्होने ने डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन् डिग्री कॉलेज धर्मपुर से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति

2020' विषय पर 6 दिन का अध्यापन विकास कार्यक्रम पूरा किया।

भविष्य की योजनाएं एवं चुनौतियां:

निकट भविष्य में महाविद्यालय अपने 1000 छात्रों के पंजीकरण के क्षेत्र में सार्थक प्रयास करेगा। सर्वप्रथम कॉलेज भवन निर्माण हेतू भूमि का हस्तांतरण करके अपना नया भवन निर्माण करना हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी, वर्तमान में महाविद्यालय में 07-05-13 बीघा भूमि शिक्षा विभाग के नाम उपलब्ध है तथा 05-08-03 बीघा भूमि पशुपालन विभाग से तथा 01-04-00 बीघा भूमि ग्रामीण विकास विभाग से हस्तांतरित करना एक चुनौती है। अभिभावकों में शिक्षण के प्रति विश्वास बना रहे इसलिए हम गुणात्मक शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं। हम छात्रों को सामर्थ्यवान बनाकर उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करके ज़िम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रयासरत हैं। निकट भविष्य में इस महाविद्यालय में संगीत, भूगोल, शारीरिक-शिक्षा और समाजशास्त्र इत्यादि नये विषय शुरू करने की योजना है।

जय हिन्द! जय हिमाचल!

धन्यवाद!

वार्षिक-प्रतिवेदन

राजकीय महाविद्यालय छतरी जिला मण्डी (हि0प्र0) - 175047

शैक्षणिक सत्रः 2024 - 2025

भोगौलिक परिदृश्य:

समुद्र तल से 5000 फीट की उंचाई पर प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण राजकीय महाविद्यालय छतरी जिला मुख्यालय मण्डी से 120 कि० मी० दूर, मण्डी-कुल्लू सीमा पर स्थित है। 'विद्या धनम् सर्व धनम् प्रधानम्' मूल विषय पर आधारित राजकीय महाविद्यालय छतरी 14 पंचायतों का अध्ययन केन्द्र है। कृषि बागवानी और सरकारी क्षेत्र से जुड़े छतरी वासियों का अध्ययन क्षेत्र में अपना प्रगतिशील इतिहास रहा है। श्री मगरू महादेव जी का सतलुज शैली में निर्मित द्वापर युगीन प्राचीन शिव मन्दिर यहां की आस्था का मुख्य आकर्षण है। छतरी को 'सेब घाटी' के नाम से भी जाना जाता है।

छतरी का नामकरण:

छतरी गांव के नामकरण के सम्बन्ध में कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं है अपितु सामान्य तौर पर छाता (Umbrella) की तरह भोगौलिक स्थिति होने के कारण इस स्थान को छतरी कहा जाता है। छतरी गांव के चारों तरफ पहाड़ियां हैं और बीच में छतरी क्षेत्र है इसलिए छाते की भांति आकृति होने के कारण इस गांव को छतरी कहा गया। मिथक प्रचलित है कि कंकर - पत्थर वाली पथरीली जमीन होने के कारण इस गांव को 'कांकरधार' के नाम से भी जाना जाता है जो कि टिपरा खड्ड से धाराखड के बीच के ब्राह्मण गांव के रूप में आज भी विद्यमान है। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस गांव में एक देवदार का पेड़ था, उस पेड़ की ऊँचाई अधिक नहीं थी। छोटा आकार होने के कारण इस पेड़ की आकृति 'छत्तर' की तरह बन गई और इसी पेड़ के कारण भी इस गांव का नाम छतरी पड़ा।

महाविद्यालय - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

सराज विधान क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय छतरी 9 जून, 2022 को अस्तित्व में आया जिसमें कला स्नातक और वाणिज्य संकाय के सत्र शुरू करने की अनुमति हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दी गई। महाविद्यालय छतरी में कुल 18 पद सृजित किए गए हैं जिसमें 1 पद प्राचार्य, 6 पद सहायक आचार्य, 1 पद सहायक लाईब्रेरियन, 1 पद अधीक्षक ग्रेड-प्प्, 1 पद वरिष्ठ सहायक, 2 पद जे०ओ०ए० (आई०टी०) 3

पद सेवादार और 2 पद चौकीदार के सृजित किए गये हैं।

पठन पद्धति एवं विषय चयन:

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने वर्ष 2013-14 से स्नातक स्तर पर सी०बी०सी०एस० प्रणाली लागू की है। इसी प्रणाली को सरदार पटेल विश्व विद्यालय मण्डी ने भी लागू किया है। वर्तमान में महाविद्यालय में सी०बी०सी०एस० के अंतर्गत स्नातक स्तर पर वार्षिक परीक्षा प्रणाली समान रूप से चल रही है।

नियुक्तियाँ एवं रिक्तियाँ:

महाविद्यालय स्थापना के तुरंत बाद 27 जून, 2022 को कुछ समय के लिए डॉ० ललित वर्मा को इस महाविद्यालय का 'आहरण एवं वितरण अधिकारी' नियुक्त किया गया। इसके बाद श्री बिहारी लाल, श्रीमती सेनापत्तु, श्रीमती मैना देवी, श्रीमती शक्लू देवी तथा सुनीता देवी ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में इस महाविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। 25 अगस्त, 2022 को इस महाविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ० लाभ सिंह ठाकुर ने सहायक आचार्य और अर्थशास्त्र प्राचार्य के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। 27 अगस्त, 2022 को प्रो० जय सिंह नेगी सहायक आचार्य इतिहास के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की। 20 सितम्बर, 2022 को श्री हरि सिंह लिपिक ने इस महाविद्यालय में अपना कार्यभार संभाला। 14 जुलाई, 2023 को प्रो० रीता ने इस महाविद्यालय में बतौर सहायक राजनीति शास्त्र अपनी सेवाएं शुरू की तथा 17 जनवरी, 2024 को श्री कमलकांत ने सहायक लाइब्रेरियन के रूप में अपनी सेवाएं देना आरंभ की है।

केन्द्रीय छात्र संघ:

सरदार पटेल विश्व विद्यालय के निर्देशानुसार हर वर्ष महाविद्यालय में वरीयता के आधार पर केन्द्रीय छात्र संघ के सदस्य चयनित किए गये। महाविद्यालय में केन्द्रीय छात्र संघ पदाधिकारी क्रम इस प्रकार से है -

क्रं सं	पद	नाम
1	अध्यक्ष	सुश्री अंकिता चौहान
2	उपाध्यक्ष	सुश्री घनश्यामा
3	सचिव	सुश्री अंजली
4	सहसचिव	सुश्री चांदनी
5	कक्षा- प्रतिनिधि	श्री राज कुमार प्रथम वर्ष
6	कक्षा - प्रतिनिधि	सुश्री वनीता कुमारी - द्वितीय वर्ष
7	कक्षा - प्रतिनिधि	सुश्री गीता तृतीय वर्ष

विद्यार्थियों की संख्या एवंम् परीक्षा परिणाम:

सत्र 2023-2024 के लिए महाविद्यालय में 108 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया जिसमें 45 छात्र तथा 63 छात्राएं हैं जिसमें अनुसूचित जाति के 28 तथा अन्य पिछडा वर्ग के 05 तथा सामान्य वर्ग के 75 छात्र महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विषयवार पंजीकरण की दृष्टि से अर्थशास्त्र में 5 हिन्दी में 80 इतिहास में 90 राजनीति में 48 और अंग्रेजी में 60 छात्र शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। सत्र 2023-24 में इस महाविद्यालय में 108 विद्यार्थियों ने वार्षिक परीक्षा में भाग लिया जिसका परिणाम लगभग 85 प्रतिशत रहा जो एस०पी०यू० के परीक्षा परिणाम से अधिक है।

महाविद्यालय बजट:

हिमाचल प्रदेश सरकार पत्र संख्या EDN-HE(9)1-2 /2022-23(Build) के अनुसार राजकीय महाविद्यालय छतरी में भवन निर्माण हेतु 5 करोड़ की राशि स्वीकृत है जिसमें 11 लाख रूपये लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर हो चुके हैं तथा हिमाचल प्रदेश सरकार पत्र संख्या EDN-HE(4)C(5)12/2022 दिनांक 29 अगस्त, 2022 के अनुसार महाविद्यालय में फर्नीचर खरीद हेतु 5 लाख 64 हजार की राशि स्वीकृत हुई है जिसके 110 डेस्क, 2 प्रिंटर, 1 यू०पी०एस० आदि खरीदा जा चुका है। कम्प्यूटर-प्रिंटर खरीद हेतु 2 लाख रूपये की राशि सरकार द्वारा अतिरिक्त रूप से स्वीकृत की गई है जिसे हम खर्च कर चुके हैं। सत्र 2023-24 में पत्र संख्या NO. EDNEH(4)C 12/2023 के अंतर्गत खेल सामान खरीद हेतु सरकार द्वारा 175000 की राशि स्वीकृत है जिसका विद्यार्थी हित के लिए सामान खरीद लिया गया है।

महाविद्यालय संबद्धता:

राजकीय महाविद्यालय छतरी सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के अधीन आता है और इस समय महाविद्यालय को विश्वविद्यालय से पत्र संख्या SPU-Mandi/CDC 2023-106473 दिनांक 16.02.2023 के द्वारा अस्थायी मान्यता मिल चुकी है।

महाविद्यालय पत्रिका "हिमालिका":

इसी सत्र में महाविद्यालय पत्रिका 'हिमालिका' का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है जिसके लिए विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों से रचनाएं आमंत्रित की गई हैं। पत्रिका का संपादक मण्डल इस प्रकार से है -

प्रधान संपादक: डॉ० ललित वर्मा एवं सम्पादक हिन्दी विभाग

प्राध्यापक संपादक: प्रो० जय सिंह नेगी, प्रो० रीता चौहान (सह सम्पादिका पहाड़ी)
डॉ० लाभ सिंह ठाकुर (योजना विभाग)

छात्र संपादक: हिन्दी-संकाय श्री अश्मित कुमार
पहाडी - संकाय श्री हरीशलता
योजना - संकाय श्री राहुल

पुस्तकालय:

पुस्तकालय महाविद्यालय की आत्मा होती है। पुस्तकालय की समृद्धि पर छात्रों का विकास निर्भर है। इस महाविद्यालय में एक अस्थायी पुस्तकालय संचालित किया गया है जिसमें पुस्तक खरीद हेतु धन की आवश्यकता है जिसकी मांग सरकार से की जा चुकी है। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में दिव्य हिमाचल, प्रतियोगिता दर्पण, फ्रंटलाइन और रोजगार समाचार जैसे समाचार पत्र लगाए गये हैं। इसके साथ ही 'कुरूक्षेत्र' और 'योजना' पत्रिकाएं छात्र अध्ययन के लिए चलाई गई है। पुस्तकालय हेतु पाठ्य पुस्तकें संदर्भ ग्रंथ, शब्दकोश आदि का आदेश प्रकाशकों को दिया जा चुका है तथा कुछ पुस्तकें खरीदी जा चुकीं हैं। श्री कमलकांत के कुशल नेतृत्व में शीघ्र ही नया पुस्तकालय कार्य करना शुरू कर देगा।

अभिभावक - शिक्षक संघ (पी०टी०ए०):

इस महाविद्यालय में तीसरी बार अभिभावक शिक्षक संघ का गठन वर्ष 2022 में किया गया तथा प्राचार्य डॉ० लाभ सिंह की देख-रेख में दिनांक 05.08.2024 को पी०टी०ए० पदाधिकारियों का चयन किया गया जिनका विवरण इस प्रकार से है -

अध्यक्ष	श्री बाला राम
उपाध्यक्ष	श्री राम दास
सचिव	डॉ0 ललित वर्मा
सह सचिव	श्रीमति राज कुमारी
कोषाध्यक्ष	श्री नोखू राम
सलाहकार	श्री सोम कृष्ण

पाठ्येत्तर गतिविधियां:

अध्यापक दिवस के अतिरिक्त महाविद्यालयों में 'हिन्दी-दिवस' और 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' का आयोजन किया गया जिसमें भाषण, निबन्ध, नारा लेखन, कविता वाचन, रंगोली और प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार से नवाजा गया। 5 सितम्बर, 2024 को महाविद्यालय में 'अध्यापक दिवस' मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा समस्त प्राध्यापकों को

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी निबन्ध लेखन और सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

करियर - कांउसिलिंग सेल:

विद्यार्थियों के जीवन लक्ष्य को सुनिश्चित करने हेतु महाविद्यालय में करियर कांउसलिंग सेल बनाया गया है। इस सेल में समय-समय पर छात्रों को करियर सम्बन्धी जानकारी दी जाती है। प्रो० जय सिंह नेगी करियर कांउसिलिंग सेल के समन्वयक बनाया गया है।

खेलकूद-गतिविधियाँ:

21 नवम्बर, 2024 को महाविद्यालय में दूसरी बार 'एथलीट मीट' का आयोजन शिंगल मैदान में किया गया जिसका समन्वयक प्रो० जय सिंह नेगी को नियुक्त किया गया। एथलीट मीट में 100 और 200 मी० दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, भाला फैंकना आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक वितरित किए गए। इस खेल-कूद प्रतियोगिता में श्री अश्मित को श्रेष्ठ पुरूष खिलाडी एवं सुश्री ट्विंकल को श्रेष्ठ महिला खिलाडी चयनित किया गया।

शैक्षिक भ्रमण:

महाविद्यालय में पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का एक एतिहासिक दल अटल सुरंग कुल्लू एवं धर्मिक मंदिर त्रिलोकीनाथ (लाहुल-स्पीति) गया जिसमें लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अटल टनल दुनिया की सबसे लम्बी सिंगल टयूब टनल राजमार्ग है जो 10000 फीट की उंचाई पर स्थित है। इसकी लम्बाई 9.02 कि०मी० है जो मनाली - केलांग को मिलाता है। इसे रोहतांग टनल के नाम से भी जाता जाता है जिसकी नींव वर्ष 2002 में माननीय स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी ने रखी थी।

कॉलेज निरीक्षण:

27 नबम्बर, 2024 को राजकीय महाविद्यालय छतरी में प्रो० रामनाथ की अध्यक्षता में एक इंटरनल रैंकिंग रिपोर्ट/निरीक्षण टीम ने दौरा किया जिसमें महाविद्यालय में सम्बन्धित दस्तावेज जांचे गए। परिणामस्वरूप महाविद्यालय का कुल स्कोर 365 रहा जबकि रैंकिंग में 56वें स्थान पर रहा।

रेड रिबन क्लब:

महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के समन्वयक प्रो० जय सिंह नेगी के नेतृत्व में समस्त स्टॉफ और छात्रों के सहयोग से 1 दिसम्बर, 2024 को 'एडस' जागरूकता पर लगभग 70 छात्रों द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। रैली छतरी बस स्टैंड में रूकी जहां छात्रों ने आम नागरिकों को एड्स से बचने के

उपाय नुक्कड-नाटक के माध्यम से बताए। इसके अतिरिक्त इस क्लब द्वारा लेखन, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ० चिराग द्वारा एड्स जागरूकता सम्बन्धी जानकारी विद्यार्थियों को दी।

रोड सेफ्टी क्लब:

समाज में आम लोगों और विद्यार्थीयों को जागरूक कराने हेतु महाविद्यालय में रोड़ सेफ्टी क्लब सक्रिय है। माननीय सर्वोच्च नयायालय के आदेशानुसार स्कूलों और महाविद्यालयों में रोड़ सेफ्टी क्लब स्थापित किए गए हैं। रोड सेफ्टी क्लब के माध्यम से 'दुर्घटना रहित हिमाचल' अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। छात्रों और चालकों के मध्य 'सड़क सुरक्षा' को लेकर जागरूकता अभियान चलाए गए। छात्रों को इस क्लब के माध्यम से सडक सुरक्षा, परिवहन नियम और सड़क-सुरक्षा शिक्षा का ज्ञान दिया जाता है। बस, कार, मोटर साईकल और अन्य सार्वजनिक परिवहन में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कैसे किया जाए, रोड सेफ्टी क्लब में यह सिखाया जाता है।

रोड सेफ्टी क्लब में दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जाती है। छात्रों को Black Spot, Blind Spot, Drunken Driving, Rash Driving और गाड़ी में होने वाली तकनीकी खराबियों के बारे में बताया जाता है। सड़क दुर्घटना के समय पहला घंटा Golden Hour माना जाता है। जो व्यक्ति दुर्घटना के समय घायल यात्री की सहायता करता है और इसकी सूचना 108 एम्बुलेंस सेवा में देता है उसे 'नेक व्यक्ति' कहा जाता है। रोड सेफ्टी क्लब में क्वीज, निबंध भाषण एवं वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। आम जनता को सीट वेल्ट, हेलमेट, नशा त्याग और सड़क चिन्हों की जानकारी दी जाती है।

शिक्षक वर्ग की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ:

1. Dr. Labh Singh (Dept of Economics):

- Attended two days Principal Conference from 30th November, 2024 to 1st December, 2024 at Hotel Peterhoff & Directorate of Higher Education Shimla-1 organised by DHE-Shimla.
- Attended Refresher Course on the theme **"Research Writing and Academic Integrity"** from 18th February, 2025 to 4th March, 2025 organized by MMMTTC-Kumaur University Nainital, Uttrakhand.

2. डॉ0 ललित वर्मा (सहायक आचार्य हिन्दी):

डॉ0 ललित वर्मा जी ने मानव संसाधन विकास केन्द्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर,

मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित दिनांक 06.06.2024 से 18.06.2024 तक हिन्दी और संस्कृत विषय पर संयुक्त रिफ्रैशर्ज कोर्स पूरा किया तथा इन्होंने दिनांक 13.07.2024 से 15.07.2024 तक आपदा प्रबंधन सिद्धांत विषय पर हिमाचल पब्लिक सर्विस कमीशन विभाग शिमला से एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।

3. प्रो0 जय सिंह नेगी (सहायक आचार्य इतिहास):

प्रो0 जय सिंह नेगी ने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा दिनांक 24 जनवरी, से 9 फरवरी तक आयोजित 'History and Culture of India' विषय पर रिफ्रैशर्ज कोर्स पूरा किया। तथा इन्होंने 1 फरवरी, 2024 को राजकीय महाविद्यालय जीरथ, मध्यप्रदेश से 'Technology for Blended NWT BLT2023' विषय पर वेबीनार पूरा किया तथा साथ ही 24-25 जनवरी, 2024 को CSSR PG College Kamlapuram (आन्ध्रा प्रदेश) से 'Tally priem 4.0 & SAP FICO' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार पूरा किया।

भविष्य की योजनाएं एवं चुनौतियां:

निकट भविष्य में राजकीय महाविद्यालय छतरी अपने 1000 छात्रों के पंजीकरण के क्षेत्र में सार्थक प्रयास करेगा। 5 मार्च, 2025 को पीटीए के सहयोग से महाविद्यालय में एक जनरल हाउस का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय में छात्र संख्या बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। इस बावत विविध प्रवेश समीतियों का गठन किया गया। पीटीए और प्राध्यापकों की एक संयुक्त टीम का निर्माण किया गया जो 14 पंचायतों के स्कूलों में जाकर छात्रों को छतरी महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रेरित करेंगे। सर्वप्रथम कॉलेज भवन-निर्माण हेतु भूमि का हस्तांतरण करके अपना नया भवन निर्माण करना हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी, वर्तमान में महाविद्यालय में 07-05-13 बीघा भूमि शिक्षा विभाग के नाम उपलब्ध है तथा 05-08-03 बीघा भूमि पशुपालन विभाग से तथा 01-04-00 बीघा भूमि ग्रामीण विकास विभाग से हस्तांतरित करना एक चुनौती है। अभिभावकों में शिक्षण के प्रति विश्वास बना रहे इसलिए हम गुणात्मक शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं। हम छात्रों को सामर्थ्यवान बनाकर उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीन विकास करके ज़िम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रयासरत हैं। निकट भविष्य में इस महाविद्यालय में संगीत, भूगोल, शारीरिक-शिक्षा और समाजशास्त्र इत्यादि नये विषय शुरू करने की योजना है।

जय हिन्द! जय हिमाचल!

धन्यवाद!

हिन्दी अनुभाग

डॉ० ललित कुमार
प्राध्यापक सम्पादक
हिन्दी अनुभाग

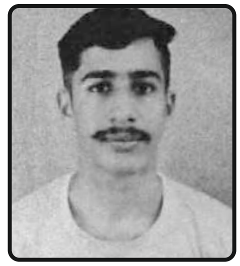

अशमित
(कला स्नातक, अन्तिम वर्ष)
छात्र सम्पादक
हिन्दी अनुभाग

विषय सूची

क्र०सं०	विषय	लेखक	पृ०सं०
1.	श्रीमद्भगवद्गीता जी की दिव्य शिक्षाएं	डॉ0 ललित वर्मा प्रधान संपादक (हिमालिका) एवम् सहायक आचार्य हिन्दी	19
2.	गुरू	हरीशलता	22
3.	जीवन में गुरू का महत्व	उमा	22
4.	पढ़ाई क्या सिखाती है?	अमिषा	23
5.	अनुशासन	पूजा ठाकुर	23
6.	खुश हूँ	निशा कुमारी	23
7.	शिक्षा	हरीशलता	24
8.	चटपटे चुटकुले	मनोज कुमार	24
9.	पैसा	मनोज कुमार	25
10.	कन्या भ्रूण हत्या	निशा कुमारी	25
11.	बड़ा ही महत्व	डिम्पल कुमारी	25
12.	एहसास	डिम्पल कुमारी	26
13.	झटके पे झटके	डिम्पल कुमारी	26
14.	सास बहु का झगड़ा	डिम्पल कुमारी	27
15.	कॉलेज	निशा कुमारी	27
16.	मैं बोझ नहीं हूँ	निशा कुमारी	28
17.	माँ	मीना कुमारी	28
18.	समय की घड़ी	अंकिता चौहान	28
19.	बेटी	अमिशा कुमारी	29
20.	शिक्षक	अमिशा कुमारी	29
21.	गुरू की गरिमा	अशमित कुमार	29
22.	माँ की महिमा	अशमित कुमार	30
23.	हिन्दी	अशमित कुमार	30
24.	बेटा नहीं पर बेटी हूँ	निशा कुमारी	31
25.	हौंसला	निशा कुमारी	31

श्रीमद्भगवद्गीता जी की
दिव्य - शिक्षाएं

'महाभारत' जिसे 'जयकाव्य' भी कहा जाता है - इससे संस्कृत महाकाव्य की उप कथा के रूप में 'भगवतगीता' हमें प्राप्त है। आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व पूर्ण पुरूषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण ने अपने सखा व भक्त अर्जुन को 45 मिनट में 700 श्लोकों की भगवद्गीता का उपदेश कौरव-पांडव सेना के मध्य कुरुक्षेत्र में दिया था। श्रीकृष्ण और अर्जुन की यह वार्ता दार्शनिक और धार्मिक वार्ताओं में से एक है। यह वार्ता 'महाभारत' के युद्ध से पूर्व धृतराष्ट्र के सौ पुत्रों तथा उनके चचेरे भाई पांडुपुत्रों के भातृघातक संघर्ष का परिणाम था।

भगवान् श्री कृष्ण कोई सामान्य व्यक्ति नहीं अपितु साक्षात् परम् ईश्वर हैं जिन्होंने इस धराधाम में अवतार लिया था। वे पांडु की पत्नी बुआ कुंती और पांडवों के भतीजे थे। इसी कारण श्री कृष्ण ने धर्म-परायण पांडवों का पक्ष लेकर उनकी रक्षा की। पांडव जानते थे कि श्रीकृष्ण पूर्ण पुरूषोत्तम भगवान है अतः उन्होंने नारायणी सेना के स्थान पर श्रीकृष्ण को सारथि रूप में स्वीकार किया। इस बिंदु पर पहुंच कर भगवद्गीता की दिव्य शिक्षाओं का शुभारंभ होता है।

'भगवद्गीता' को 'गीतोपनिषद' भी कहा जाता है। यह वैदिक ज्ञान का सार है और वैदिक साहित्य का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपनिषद है। भगवदगीता के वक्ता भगवान श्रीकृष्ण है। भगवदगीता के प्रत्येक पृष्ठ पर उनका उल्लेख भगवान के रूप में हुआ है। भगवान ने भी स्वयं भगवद्गीता में अपने को पूर्णपुरूषोत्तम भगवान कहा है और 'ब्रह्रसंहिता' तथा श्री 'भागवत महापुराण' में भी उल्लेख है कि कृष्ण ही स्वयं भगवान है। अतः भगवद्गीता भगवान के श्री मुख से निकली दिव्यवाणी है।

भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को बताते हैं कि भगवद्गीता की यह योग-पद्धति उन्होंने सर्वप्रथम सूर्यदेव को बताई थी। सूर्यदेव ने इसे मनु को बताया। मनु ने इक्ष्वाकु को बताया। इस प्रकार गुरू-शिष्य परम्परा से होते हुए यह दिव्य ज्ञान अर्जुन को प्राप्त हुआ।

भगवदगीता एक ऐसा ग्रंथ है जो विशेष रूप से भगवद्भक्त के लिए प्रदान किया गया है। अध्यात्मवादी तीन तरह के होते हैं - ज्ञानी, योगी और भक्त। श्रीकृष्ण जी चाहते थे कि सूर्यदेव से चली आ रही जो विचारधारा समय के प्रवाह में खंडित हो गई थी - उसकी शिक्षा अर्जुन नए सिरे से प्राप्त करें। कृष्ण चाहते थे कि अर्जुन भगवद्गीता ज्ञान का प्रामाणिक विद्वान बने क्योंकि अर्जुन भगवान का भक्त, प्रत्यक्ष शिष्य और घनिष्ठ मित्र था। अतः जिस व्यक्ति में अर्जुन जैसे गुण पाए जाते हैं केवल वही भक्त भगवद्गीता की दिव्य शिक्षाएं पाने का श्रेष्ठ अधिकारी है।

श्री भगवद्गीता श्लोक संख्या 12-14 तक अर्जुन ने कृष्ण को परमब्रह्म स्वीकार किया है जहां अर्जुन ने कहा -''हे कृष्ण! आप भगवान, परमधाम, पवित्र और परम सत्य है। आप शाश्वत, दिव्य

आदिपुरूष, अजन्मे और महान हैं। नारद, असित, देवल और व्यास जैसे महामुनि आपके विषय में इस सत्य की पुष्टि करते हैं। आप स्वयं मुझ से इसी की घोषणा कर रहे हैं। हे प्रभो! न तो देवता और न असुर आपके व्यक्तित्व को समझ सकते हैं।''

अतः हमें भगवदगीता की दिव्य शिक्षाएं भक्तिभाव से ग्रहण करनी चाहिए। भगवान् श्री कृष्ण साक्षात् पुरूषोतम भगवान है और अर्जुन इसी सत्य को स्वीकार करते हैं कि श्री कृष्ण भगवान हैं और इसी विनीत भाव से हम भगवदगीता की शिक्षाएं ग्रहण कर सकते हैं। भगवदगीता का प्रयोजन मनुष्य को भौतिक संसार के अज्ञान से उबारना है। जीवन में प्रत्येक जीव अर्जुन की तरह कठिनाईयों में फंसा रहता है अतः हमें भी अर्जुन की तरह श्री कृष्ण की शरण ग्रहण करनी चाहिए।

भगवदगीता में पांच मूल सत्यों का ज्ञान दिया गया है। इसमें ईश्वर के विज्ञान और जीव के स्वरूप की चर्चा की गई है। भगवदगीता की विषय वस्तु ईश्वर सर्वोच्च नियंता और जीव उनके द्वारा नियंत्रित है। इस उपनिषद में प्रकृति, काल और कर्म की व्यवस्था की गई है। भगवदगीता हमें सिखाती है कि ईश्वर क्या है? जीव क्या है? प्रकृति क्या है? दृश्य जगत क्या है? जीवों के कार्यकलाप क्या है और काल जीव को किस प्रकार नियंत्रित करता है। भगवदगीता के पांच मूल विषय हमें सिखाते हैं कि श्री कृष्ण ही भगवान, ब्रह्र परम नियंता और परमात्मा है। जीव परम नियंता श्री कृष्ण के अंश मात्र है।

भौतिक प्रकृति तीन गुणों से निर्मित हैं - सतो गुण, रजोगुण और तमोगुण। इन गुणों के ऊपर नित्य काल है। इस प्रकृति के गुणों तथा नित्य काल के नियंत्रण व संयोग से अनेक कार्यकलाप होते हैं - जो कर्म कहलाते हैं। हम अपने कर्मों के फलस्वरूप सुख या दुःख भोग रहे हैं। ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल एवम् कर्म - इस सबकी व्याख्या भगवदगीता में हुई है। इन पांचों में ईश्वर, जीव, प्रकृति तथा काल शाश्वत है। दूसरी तरफ कर्म शाश्वत नहीं है। हम अनादि काल से अपने शुभ-अशुभ कर्मफलों को भोग रहे हैं।

ईश्वर अर्थात् परम ईश्वर श्री कृष्ण की स्थिति परम चेतना स्वरूप है। जीव भी ईश्वर का अंश होने के कारण चेतन है। जीव तथा भौतिक प्रकृति दोनों परमेश्वर की शक्ति है। जीव तथा ईश्वर का अंतर भगवदगीता के 13वें अध्याय में बताया गया है। जीवन ईश्वर की तरह की चेतन है। जीव अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है जबकि भगवान 84 लाख योनियों में भटके समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता रूप में वास कर रहे हैं। जीव एक शरीर का त्याग करने के बाद दूसरा शरीर ग्रहण करता है, जिस प्रकार हम वस्त्र उतारते तथा पहनते रहते हैं उसी प्रकार जीव भी अपना पुराना शरीर त्याग कर नया शरीर धारण करता है। जीव को अगले जन्म में भी पूर्व कर्मों का फल भोगना पडता है अतः ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल, और कर्म में चार शाश्वत है जबकि कर्म शाश्वत नहीं है।

भगवदगीता हमें पूर्ण पुरूषोत्तम भगवान कृष्ण की भक्ति करने का आदेश देता है। इस उपनिषद के श्लोक संख्या 7.20 में देव पूजा की मनाही है - '' जिनकी बुद्धि भौतिक इच्छाओं द्वारा चुरा ली गई है, वे देवताओं की शरण में जाते हैं। जो वासना द्वारा निर्देशित होते हैं वे भगवान कृष्ण की पूजा छोडकर देवताओं की पूजा करते हैं। कृष्ण का अर्थ सर्वोच्च आनंद है और परमेश्वर सत् चित् और आनंद के अगाध सागर हैं।''

भगवदगीता श्लोक संख्या 15.6 में भगवान श्री कृष्ण का परम धाम का वर्णन इस प्रकार हुआ है - " मेरा परम धाम न तो सूर्य या चंद्रमा द्वारा, न ही अग्नि या बिजली द्वारा प्रकाशित है। जो जीव वहां पहुंच जाते हैं वे फिर कभी भी भौतिक जगत में लौट कर वापिस नहीं आते।" भगवद्धाम तक कैसे पंहुचा जा सकता है इसका वर्णन आठवें अध्याय के पांचवे श्लोक में किया गया है, "अंत काल में जो मेरा स्मरण करते हुए शरीर त्याग करता है वह तुरंत मेरे परमधाम को प्राप्त होता है। इसमें रंचमात्र भी संदेह नहीं है।"

भगवदगीता 8.6 में पुनः भगवान कहते हैं कि, जो मृत्यु के समय मेरा चिंतन करता है वह आसानी से मेरे आध्यात्मिक धाम को प्राप्त होता है। अपने शरीर का त्याग करते समय मनुष्य जिस-जिस भाव का स्मरण करता है वह निश्चित रूप से अगले जन्म में उस भाव को प्राप्त होता है।" भगवदगीता 8.7 में भगवान कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, हे अर्जुन! तुम कृष्ण के रूप में सदैव मेरा चिंतन करो और साथ ही अपने युद्ध कर्म करते रहो। अपने कर्मों को मुझे अर्पित कर और अपने मन और बुद्धि को मुझमें स्थिर करके तुम मुझे निश्चित रूप में प्राप्त करोगे। भगवदगीता 8.8 में भगवान कृष्ण कहते हैं - हे अर्जुन ! जो व्यक्ति पथ पर विचलित हुए बिना अपने मन को निरंतर मेरा स्मरण करने में व्यस्त रखता है और भगवान के रूप में मेरा ध्यान करता है वह मुझको अवश्य प्राप्त होता है।"

सरांश यह है कि भगवदगीता दिव्यग्रंथ है। भगवदगीता के उपदेशों का पालन करने वाला दुःख तथा चिंताओं से मुक्त होता है। भगवान भगवदगीता 18.66 के अंतिम अंश में जोर देकर कहते हैं -

सर्व धर्मान् परित्यज्य माम् एकम् शरणम् ब्रज।
अहम् त्वाम् सर्व पापेभ्यः मोक्षयिष्यामि मा श्रुचः।।

"हे अर्जुन ! सब धर्मों को त्यागकर एकमात्र मेरी शरण में आओ मैं तुम्हें समस्त पापों से मुक्त कर दूंगा। तुम डरो मत।"

मनुष्य जल में स्नान करके अपने को स्वच्छ कर सकता है लेकिन यदि कोई भगवदगीता रूपी गंगा जल में एक बार भी स्नान कर ले वह भवसागर से सदा-सदा के लिए मुक्त हो जाता है। भगवद्गीता भगवान के मुख से निकली है। अतः इस गंथ के अध्ययन के बाद किसी अन्य वैदिक साहित्य को पढने की आवश्यकता नहीं रहती। अतः जीव को अपने कल्याण के लिए सिर्फ भगवदगीता का ध्यानपूर्वक मनोयोग से श्रवण तथा पठन करना चाहिए। भगवदगीता महाभारत का अमृत है और इसे भगवान कृष्ण (मूल विष्णु) ने स्वयं सुनाया है। यह भगवद्गीता गीतोउपनिषद है जो समस्त उपनिषदों का सार है। आज के युग में जो लोग एक शास्त्र, एक ईश्वर, एक धर्म और एक वृत्ति के लिए उत्सुक है उनके लिए 'देवकी पुत्रगीतम्' भगवद्गीता ही श्रेष्ठ ग्रन्थराज है।

डॉ0 ललित वर्मा
प्रधान संपादक (हिमालिका)
एवम् सहायक आचार्य हिन्दी
राजकीय महाविद्यालय छतरी
जिला मण्डी (हि0प्र0)175047

गुरू

जग से सुन्दर है दो नाम चाहे,
गुरू कहो या भगवान।
गुरू वह दीपक है जो स्वयं
तो जलता ही है, पर दूसरों
में भी ज्ञान रूपी ज्योति जलाता है।
गुरू का मान
अच्छे एक ज्ञान की डोर है।
जो सभी को शुद्ध जल
की तरह बनाए,
अवगुणों को निकाल कर
गुणों को संचित कराए,
ऐसी सबको बात बताए,
हर कार्य हमें महानता
की ओर ले जाए।
गुरू है वह भगवान का रूप कहलाए।
गुरू हमें कुमार्ग से
सुमार्ग की ओर अवगत कराए,
अच्छी-अच्छी शिक्षा देकर
दूसरों की सहायता करने को उकसाए।
भगवान ही है एक,
जो गुरू का रूप लेकर आए।

हरीशलता
बी०ए० अन्तिम वर्ष

जीवन में गुरू का महत्व

सत्य की राह पर चलना सिखाते हैं,
जीवन के संघर्ष से लड़ना सिखाते हैं।
कोटि-कोटि नमन है उन सभी शिक्षकों को,
जो हमें ईमानदारी से जीना सिखाते हैं।
हर व्यक्ति की सफलता के पीछे गुरू का हाथ होता है,
गुरू को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है,
गुरू को उजाले का दीप माना जाता है,
गुरू के बिना व्यक्ति का जीवन अधूरा है,
गुरू के सहयोग से ही हर व्यक्ति सफल बनता है।

गुरू का होना अंधकार में दीपक के जैसे होते हैं, जो खुद जलकर दूसरों को उजागर करते हैं। माता के बाद दूसरा शिक्षक गुरू होते हैं। गुरू से लिया गया सच्चा संस्कार हमारे जीवन को आसान बना देता है। मनुष्य के लिए भगवान से भी बढ़कर गुरू को माना जाता है। क्योंकि भगवान हमें जीवन प्रदान करता है और गुरू हमें शिक्षा देकर इस जीवन को सही ढंग से जीना सिखाते हैं, जो गुरू का मार्गदर्शन करके चलता है उसे जीवन में कभी ठोकरें नहीं खानी पड़ती। गुरू ही वह व्यक्ति होता है जो खुद एक स्थान पर रहकर दूसरों को अपनी मंजिल तक पहुंचाता है। गुरू हमेशा सभी को अच्छा ज्ञान देता है। गुरू सच्चे पथ प्रदर्शक होते हैं। हमारे जीवन में गुरू बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक गुरू का हाथ जरूर होता है। इस संसार में माता और गुरू दो ही ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनका आशीर्वाद हमारे जीवन को सफल बना सकता है। हमें गुरू को हर क्षण नमन करना चाहिए, हर शुभ कार्य में गुरू की आज्ञा लेनी चाहिए।

''वह व्यक्ति जो ज्ञान से जीवन आसान बनाए,
वही हमारे लिए गुरू कहलाए।।''

उमा
बी०ए० अन्तिम वर्ष

पढ़ाई क्या सिखाती है?

जन्म से लेकर मृत्यु तक साथ निभाती है। छोटा है या बड़ा, बात करना यह सिखाती है। मुश्किल में पड़े लोगों को राह यह दिखाती है। यहां तक कि बेरोज़गारों को रोजगार यह दिलाती है। अच्छा हो या बुरा, फर्क करना यह सिखाती है। भटके हुए को सही राह पर यह लाती है। देश में कंधे से कंधा मिलाकर चलना यह सिखाती है। अपना हो या पराया, सबके दुखों को समझना यह बताती है। इसीलिए कहा भी गया है कि ताकत का कोई तोड़ नहीं और पढ़ाई का कोई मोड़ नहीं। हर ताकत हर खतरे से टकरा सकती है, पढ़ाई हर खतरे को मिटा सकती है। ताकत और पढ़ाई मिलें तो दुनिया हिले।

अमिषा
बी०ए० अन्तिम वर्ष

अनुशासन

जीवन में अनुशासन का महत्व होता है। इसके बिना सफल जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो भी अपने जीवन में अनुशासन नहीं रखता है, वह कभी भी सफल नहीं हो सकता चाहे वह मनुष्य हो या फिर कोई अन्य प्राणी।

अगर हमें जीवन में सफल होना है तो समय पर उठना होगा, समय पर सोना होगा, बिना समय को खराब किए अनुशासन का पालन करना होगा। अनुशासन किसी के सिखने से नहीं आता, यह स्वयं को सीखना होता है। जैसे गुरू विद्यार्थी को शिक्षा दे सकते हैं, सही मार्ग पर चलना सिखा सकते हैं, लेकिन उस शिक्षा का आप किस प्रकार अनुसरण करते हैं, यह विद्यार्थी पर निर्भर करता है।

अगर आप एक सफल व्यक्ति बनना चाहते हैं और अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहते हैं, तो अपने जीवन में अनुशासन की आज और अभी से पालन करना शुरू कर दें और हमेशा अपने से बड़े को सम्मान दें।

पूजा ठाकुर
अन्तिम वर्ष

खुश हूँ

जिन्दगी है छोटी, हर पल में खुश हूँ।
काम में खुश हूँ, आराम में खुश हूँ।
आज पनीर नहीं, दाल में ही खुश हूँ।
आज गाड़ी नहीं, पैदल ही खुश हूँ।
आज कोई नाराज़ है, उसके इस अंदाज से खुश हूँ।
जिसको देख नहीं सकती,
उसकी आवाज़ से ही खुश हूँ।
जिसको पा नहीं सकती, उसको सोचकर ही खुश हूँ।
बिता हुआ कल जा चुका है, उसकी मीठी याद में खुश हूँ।
आने वाले कल का पता नहीं, इंतजार में ही खुश हूँ।
हँसता हुआ बीत रहा है पल, आज में ही खुश हूँ।
जिन्दगी है छोटी, हर पल में खुश हूँ।
अगर दिल को छुआ तो जवाब देना,
वरना बिना जवाब के भी खुश हूँ।

निशा कुमारी
बी०ए० अन्तिम वर्ष

शिक्षा

हर व्यक्ति को शिक्षा है जरूरी,
इसके बिना जिंदगी है अधूरी।
जो व्यक्ति शिक्षा नहीं पाता,
वह दुनिया का सबसे बड़ा मूर्ख कहलाता।
शिक्षा है हर व्यक्ति को जरूरी,
तभी तो वो पाएंगे खुशी से जिंदगी पूरी।
जो व्यक्ति सही मायने में शिक्षा पाएगा,
वही जिंदगी को सुखी बनाएगा।
शिक्षा हर व्यक्ति का आधार,
इससे आगे बढ़ेगा सारा संसार।
जिसने किया शिक्षा का अपमान,
उसने नहीं पाया कहीं भी सम्मान।
शिक्षा की तरक्की की राह दिखलाती,
शिक्षा ही हमें बुरी संगत से बचाती।
शिक्षा का मत करो दुरुपयोग,
इसके वजह से भागे हर रोग।
शिक्षा बिना न चले घर संसार,
शिक्षा ही है हमारे जीवन का आधार।
इसका करते रहना संचार,
क्योंकि यह है हमारा जन्मसिद्ध अधिकार।
शिक्षा पाना है हमारा कर्तव्य,
तभी बन पाएगा हमारा देश सभ्य।
शिक्षा है शान हमारी,
क्योंकि इसमें छुपी है खुशियां हमारी।

हरीशलता
बी०ए० अन्तिम वर्ष

चटपटे चुटकुले

सोनू - क्या हुआ भाई, क्यों उदास बैठे हो?
मोनू - कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था, "आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं..." तभी से तैयार बैठा हूँ, कोई आया ही नहीं...
ये सुनकर सोनू बेहोश हूँ...

चिंटू - मुझे अपनी गर्लफ्रेंड को गिफ्ट देना है, क्या दूँ?
मिंटू - गोल्ड रिंग दे दे।
चिंटू - कोई बड़ी चीज़ बता यार।
मिंटू - भाई तो फिर एक ट्रक का टायर दे दे।

राहुल गांधी -
गुजरात में बिल्कुल भी शांति नहीं है।
मैंने अपनी आँखों से देखा है कि सैकड़ों लोग छोटी-छोटी लाठियों से लड़ रहे थे।
मोदी -
अरे पप्पूजी, उसे "डांडिया" कहते हैं।

मनोज कुमार
बी०ए० अन्तिम वर्ष

पैसा

पैसा-पैसा-पैसा, है ये कैसा?
सारी दुनिया पैसे के पीछे भागे
छोटा हो या बड़ा,
पैसे को ही माने अपना खुदा।
पैसा-पैसा-पैसा, है ये कैसा?
क्यों करते हैं पैसों से प्यार?
क्या मिल पाता है पैसों से दुलार?
पैसों में क्यों मन भाए?
पैसे के पीछे क्यों आगे-आगे जाए?
रिश्तों से ज्यादा पैसों को क्यों देते हैं एहमियत?
गलत काम में उन्हें पैसा दिखे तो हो जाते सहमत।
पैसा हूँ एक ऐसा जाल,
इसने उधेड़ी लोगों की खाल।
पैसों में क्या है ऐसी बात?
क्यों भूलने लगे लोग अपनों का साथ?
पैसों के पीछे लोगों ने जानें गँवाई।
पैसों के कारण बन गए दुश्मन भाई-भाई।

मनोज कुमार
बी०ए० प्रथम वर्ष

कन्या भ्रूण हत्या

आखिर क्या गलती थी उसकी
जो वह जग में न आ पाई।
क्यों आने से पहले ही
उसकी दे दी गई विदाई?
उसको भी हक था जीने का,
उसने भी एक माँ थी पाई।
क्रूर स्वार्थों की बेदी पर
क्यों बलि उसकी गई चढ़ाई।
जग में उसको भेजा था रब ने,
उसको भी मिला था भाई।
उसको भी मिलने थे रिश्ते,
पर सम्मुख आ गए कसाई।
अपनी करतूतों पर ऐ मानव,
क्यों तुझे शर्म न थी आई।
खिलवाड़ नहीं कर जीवन से,
क्योंकि तुझमें नहीं खुदाई।

निशा कुमारी
बी०ए० प्रथम वर्ष

बड़ा ही महत्व

मैदान में खिलाड़ी का,
अस्पताल में बीमारी का,
विद्यालय में पढ़ाई का,
राजनीति में लड़ाई का,
बड़ा ही महत्व है।
बुढ़ापे में लाठी का,
सर्कस में हाथी का,
जीवन में साथी का,
दीए में बाती का,
बड़ा ही महत्व है।
फोन में मोबाइल का,
फिल्मों में स्टाइल का,
होटल में सफाई का,
ढाबों में लड़ाई का,
बड़ा ही महत्व है।
बाज़ार में सट्टे का,
तोल में बट्टे का,
पढ़ाई में रट्टे का,
पान में कत्थे का,
बड़ा ही महत्व है।
गाड़ियों में रेलगाड़ी का,
पहनावे में साड़ी का,
शरीर में नाड़ी का,
भूमि में पढ़ाई का,
बड़ा ही महत्व है।

डिम्पल कुमारी
बी०ए० अन्तिम वर्ष

एहसास

मैं एक पढ़ाई हूँ,
आपके लिए एक कविता लाई हूँ।
इस नकल को कईयों ने अपनाया है,
पर मैंने अपने शब्दों से
कुछ इस तरह सजाया है।
कैसा होगा हमारा भविष्य,
आइए देखें एक दृश्य।
कैसे हैं आजकल के शिष्य,
बड़ा गंभीर है ये विषय।
अंदाज हमारा है भिन्न,
दिन कटते मस्ती में,
रातें कटती तारे गिन-गिन,
इससे होगा हमारा भविष्य छिन-भिन्न।
सुबह के आठ बजे होता है दिन,
मस्ती करते रहते हैं हम पूरा साल।
फिर परीक्षा में देखने लायक,
होता है हमारा हाल।
मिलते ही पर्चा, शुरू हो जाती है चर्चा,
क्यों हमें यह एहसास नहीं होता?
कि कुछ पढ़ लेते हैं,
जब माँ-बाप ने दिया है खर्चा।
फिर वो खोया हुआ लम्हा याद आता है,
जब परीक्षा में कोई नहीं बताता है।
परीक्षा लगने लगेगी प्यारी,
जब हम पहले से करेंगे तैयारी।
माता-पिता से बढ़कर होता है गुरू,
इन्हीं से सच्चा जीवन होता है शुरू।
हमारे गुरू हमें सब कुछ बताते हैं,
फिर क्यों हम नकल के अन्धेरे में
छुप जाते हैं।
जब हम नकल के अन्धेरे में,
खुद को छिपाएंगे,
तो हम कैसे अपने छोटे भाई-बहन को
रोशनी दिखा पाएंगे।
नकल से मिलता नहीं कोई किनारा,
तभी होगा उज्ज्वल भविष्य हमारा।
गुज़र रहा है वक्त उसे थाम लो,
अब तो इस हकीकत को जान लो।

डिम्पल कुमारी
बी०ए० प्रथम वर्ष

झटके पे झटके

विद्यार्थी को लगता है, परीक्षा से झटका।
विद्यालय को लगता है, परिणाम से झटका।
रोगी को लगता है, ऑपरेशन से झटका।
नाविक को लगता है, तूफान से झटका।
गरीबों को लगता है, मंहगाई से झटका।
कंजूस को लगता है, मेहमान से झटका।
ड्राईवर को लगता है, पुलिस से झटका।
ईमानदार को लगता है, बेईमान से झटका।
यारों, ज़िन्दगी में झटका ही झटका।
इन झटकों पर तो है, इंसान लटका।

डिम्पल कुमारी
बी०ए० अन्तिम वर्ष

सास बहु का झगड़ा

सास बहु का झगड़ा
होता है बड़ा 'तगड़ा'।
सास जब बहु को देती गाली,
बहु भी बोलती हट जा साली।
बात-बात पर झगड़ा होता,
सुनकर झगड़ा, बेटा रोता।
बहु बोले- सब्जी बनाऊँ,
सास बोले- दाल।
फिर अपने-अपने चूल्हे जलाकर,
दिखाती अपना कमाल।
बहु जब घूमने जाए,
सास का भी मन ललचाए।
सास कहती रोज़ ये घूमने जाए,
मेरे बेटे के पैसे खर्च करके आए।
बहु जब नई-नई चीजें लाए,
सास के मन को खूब भाए।
फिर पति-पत्नी का झगड़ा कराए,
झगड़ा देख सास को बड़ा मज़ा आए।
सास बहु है दोनों सच्ची,
कभी-कभी हो जाती अच्छी।
सास बोले- आजा मेरी बच्ची,
है तू दिल की सच्ची।
झगड़ा तो है होता रहता,
पर मत करो झगड़ा ये बेटा कहता।

डिम्पल कुमारी
बी०ए० प्रथम वर्ष

कॉलेज

जब पहली बार दफ़ा था... कॉलेज में आना,
एक अलग डर था... सीने में समाया।
ना जाने कैसे होंगे सीनियर्स... कैसे बनेंगे दोस्त,
इसी सोच में आँखों को... कितनी रातें जगाया।
धीरे-धीरे माहौल में... फिर ढलता चला गया,
इश्क का असली मतलब... तो यहीं समझ में आया।
जब कभी मुश्किलात से... मेरा सामना जो हुआ,
तो दोस्तों ने मुझसे पहले... उस मसले को सुलझाया।
वो कभी लेक्चर्स के बीच में... बात करना,
तो कभी दोस्तों के साथ... मज़ाक उड़ाना।
किसी का नाम लेकर... किसी को तंग करना,
और दूसरे से पेयरिंग होने पे... उसे देवदास कहना।
कसम से ये बातें... बहुत याद आएगी,
क्योंकि ज़ेहन में हमारे... सिर्फ यादें रह जाएगी।

निशा कुमारी
कला स्नातक प्रथम वर्ष

मैं बोझ नहीं हूँ

मैं बोझ नहीं हूँ
शाम हो गई
अभी तो घुमने चलो न पापा,
चलते-चलते थक गई
कंधे पर बिठालो न पापा,
अंधेरे से डर लगता
सीने से लगालो न पापा
मम्मी तो सो गई

आप ही थपकी देकर
सुलाओ न पापा
स्कूल तो पूरी हो गई
अब कॉलेज जाने दो न पापा
पाल पोसकर बड़ा किया
अब जुदा तो मत करो न पापा
अब डोली में बिठा ही दिया
तो आंसू तो मत बहाओ न पापा।

आपकी मुस्कुराहट अच्छी है,
एक बार मुस्कुराओ न पापा
आपने मेरी हर बात मानीं,
एक बात और मान जाओ न पापा
इस धरती पर बोझ नहीं मैं
दुनियाँ को समझाओ न पापा।

निशा कुमारी
कला स्नातक प्रथम वर्ष

माँ

माँ का जोड़ धरती पर कोई नहीं
माँ तेरे बराबर कोई नहीं
तेरी ममता है सागर से भी गहरी
सारा जग है इस ममता का ग्रहणी
माँ तेरे बराबर कोई नहीं
तू है जीवन की नदियाँ
तुम से ही खिलती है बगियाँ

अगर माँ नहीं रहेगा तेरा आँचल
तो आँखें मेरी करेगी जल-थल
तरसता रहूँगा पल पल
नहीं जी पाऊँगी मैं कल...।

मीना कुमारी
कला स्नातक प्रथमवर्ष

समय की घड़ी

घड़ी की टिक-टिक हमें बतलाती।
जीवन में सदा
चलते रहना दिखलाती।
समय का सुदपयोग करते जाना।
न रूकना कभी न थकना कभी।
धीरे-धीरे चलते रहना।
हारना इसने कभी न सीखा।

दिन-रात बस चलते रहना।
टिक-टिक करके चलते जाना।
समय से कभी ना करो तुम धोखा।
कर बैठोगे खुद से ही दोखा।
समय का जिसने किया सम्मान।
समय का फल उसी ने पाया।
समय के आगे न टिका है कोई।

समय के आगे न टिकेगा कोई।
समय का न कोई मोल है।
समय का ना कोई तोल है।
यह तो बड़ा ही अनमोल है।

अंकिता चौहान
कला स्नातक अन्तिम वर्ष

बेटी

जब-जब जन्म लेती है बेटी,
खुशियाँ साथ लाती हैं बेटी।
ईश्वर की सौगात है बेटी,
सुबह की पहली किरण है बेटी।
तारों की शीतल छाया है बेटी,
आंगन की चिड़िया है बेटी।
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी,
नए नए रिश्ते बनाती है बेटी।
जिस घर जाए उजाला लाती है बेटी,
बार-बार याद आती है बेटी।
बेटी की कीमत उनसे पूछो,
जिनके पास नहीं है बेटी।

अमिशा कुमारी
कला स्नातक अन्तिम वर्ष

शिक्षक

कोरे कागज़ को अखबार बनाता है
गुरू को जिंदगी का हर हिसाब आता है।
रंग-बिरंगे फूलों से वो
संसार को एक सुंदर बाग बनाता है।
वही तो है जो तारों को भी रोशनी देकर
खुद सूरज बनकर जगमगाता है।
नटखट शैतान बच्चों की
लाख शैतानियों सहता है,
फिर भी गुरू धैर्यवान रहता है।
ज्ञान की एक एक बूंद से
सिंचता है वो अपनी फसल,
तभी तो शिष्य कभी अर्जुन
कभी राम बनकर परचम लहराता है।

अमिशा कुमारी
बी०ए० प्रथम वर्ष

गुरू की गरिमा

वह व्यक्ति जो ज्ञान से जीवन आसान बनाए
वही हमारे लिए गुरू कहलाए।
गुरू वही जो शिखर पर ले जाए।
गुरू बिन घोर अंधेरा और,
गुरू ज्ञान बिना जग सुना-सुना।
गुरू की महिमा अपरंपार
गुरू ही लगाएंगे नैना पार।
गुरू जग में करता उज्जाला
गुरू से ही शुरू होता सफल जीवन।
गुरू सरीका नहीं कोई भाई।
पढ़ ले इनसे मेरे भाई।
कभी-कभी सोचा करता हूँ,
गुरू ऋण से उऋण होने जैसा
कुछ सोच नहीं पाता हूँ।
आखिर में यही ख्याल
गुरू बनकर ही रूक जाता हूँ।

अशमित कुमार
कला स्नातक प्रथम वर्ष

माँ की महिमा

खुदा का दूसरा रूप है माँ
ममता की गहरी झील है माँ
वो घर किसी जन्नत से कम नहीं
जिस घर में खुदा की तरह पूजी जाती है माँ
इस दुनियाँ में सबसे आसान
और अनमोल शब्द है माँ
'माँ' दुनिया का एकमात्र ऐसा शब्द है जिसे
किसी परिभाषा की आवश्यकता नहीं होती
क्योंकि यह शब्द नहीं बल्कि एहसास है
माँ ईश्वर का पवित्र रूप है।
माँ ही हमारी पहली शिक्षक होती है।
माँ हमें जन्म देती है
और इस सुन्दर धरती पर लाती है।
माँ ही हमारे जीवन की सबसे पहली
और अच्छी दोस्त होती है।
माँ ही हमें अच्छे बुरे का ज्ञान देती है।
एक माँ के बारे में जितना लिखे उतना कम है।
क्योंकि माँ जगत की जननी है।
कभी जो गुस्से में आकर मुझे डांट देती
जो रोने लगूं मैं मुझे वो चुपाती
जो में रूठ जाऊं मुझे वो मानती।
मेरे कपड़े वो धोती, मेरा खाना बनाती
जो न खाऊं मैं मुझे अपने हाथों से खिलाती,
जो सोने चलूं मैं मुझे लोरी सुनाती,
वो सबको खिलाती सबको हंसाती
वो दुआओं में अपनी बिगड़ी किस्मत बनाती,
वो दबेले में किसी से कुछ न चाहती

अशमित कुमार
कला स्नातक अन्तिम वर्ष

हिन्दी

संस्कृत की एक लाडली बेटी है ये हिन्दी।
बहनों को साथ लेकर चलती है ये हिन्दी।
सुन्दर है, मनोरम है, मीठी है, सरल है ये हिन्दी।
ओजस्विनी है और अनूठी है ये हिन्दी।
पाठेय है, प्रवास में, परिचय का सूत्र है ये हिन्दी।
मैत्री को जोड़ने की सांकल है ये हिन्दी।
पढ़ने और पढ़ाने में सहज है, ये हिन्दी।
साहित्य का असीम सागर है ये हिन्दी।
तुलसी, कबीर, मीरा ने इसमें ही लिखा है।
कवि सुर के सागर की गागर है ये हिन्दी।
अंग्रेजी से भी इसका कोई बैर नहीं है।
उसको भी अपनेपन से लुभाती है ये हिन्दी।
यूँ तो देश में कई भाषाएँ और हैं।
पर राष्ट्र के माथे की बिंदी है ये हिन्दी।

अशमित कुमार
कला स्नातक प्रथम वर्ष

बेटा नहीं पर बेटी हूँ

मैं भी लेती हूँ सांस
पत्थर नहीं इंसान हूँ,
कोमल मन है मेरा,
वही भोला साचा चेहरा,
जज्बातों में जीती हूँ
बेटा नहीं पर बेटी हूँ
कैसे दामन छुड़ा लिया,
जीवन के पहले ही मिटा दिया,
तुझ से ही बनी हूँ,
बस प्यार की भूखी हूँ
जीवन पार लगा दूँगी
अपना लो मैं बेटा भी बन जाऊंगी।

दिया नहीं कोई मौका,
बस पराया बनाकर सोचा
एक बार गले से लगा लो
फिर चाहे हर कदम आजमा लो,
हर लड़ाई जीत कर दिखाऊंगी।
चंद लोगों की सुन ली तुमने
मेरी पुकार ना सुनी,
मैं बोझ नहीं भविष्य हूँ
बेटा नहीं, पर बेटी हूँ।

निशा कुमारी
बी०ए० प्रथम वर्ष

हौंसला

पानी का बुलबुला नहीं
तू झरना बन।
स्वीकार कर हर चुनौती,
तू आगे बढ़।
न देख मुँह किसी का,
खुद का यकीन बन।
भटक मत जिंदगी में,
नजर मंजिल पर रख।
सपनों पर न पहरा लगा,
खुली आँख से देखने की जरूरत कर।
फिसलने न दे खुद को पाप में,
हौसला रख आगे बढ़ने का।
हौसला रख तू आगे बढ़ने का,
मुश्किलों से लड़ने का।
यही तो तरीका है
ऊँची उड़ान भरने का।
लड़खड़ा भी जाएं अगर,
कदम तो गम न कर।
यही तो वक्त है तेरा,
कुछ कर गुजरने का।
भले ही मिले राहों में पत्थर,
ते मिलने दे।
हिम्मत कर आगे बढ़
तेरे ही पास है हर पल।
बस एक बार भरोसा,
कर ले तू खुदा पर।
मजा तुझे भी आने लगेगा
फिर गिरते-गिरते संभलने का
हौसला रख आगे बढ़ने का,
मुश्किलों से लड़ने का।

निशा कुमारी
बी0ए0 प्रथम वर्ष

PLANNING SECTION

डॉ० लाभ सिंह
प्राध्यापक सम्पादक
योजना अनुभाग

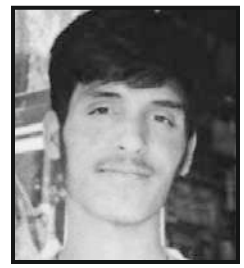

राहुल
(कला स्नातक, तृतीय वर्ष)
छात्र सम्पादक
योजना अनुभाग

CONTENT

Sr. No.	Title/Article	Author	Page No.
1.	Changing Patterns in Rural Farming Practices: Some Sensitive Issues	Dr. Labh Singh	33
2.	G-20 की संरचना	भुवनेश्वरी	34
3.	पैंशन डिजाईनिंग में अजीविका की संभावना	गीना ठाकुर	35
4.	विद्यार्थी जीवन में बचत व निवेश के तरीके।	अंकिता चौहान	36
5.	फोटोग्राफी एवं विडयोग्राफी का महत्व	राहुल	37

Changing Patterns in Rural Farming Practices: Some Sensitive Issues

In India around 70 percent population lives in rural areas and therein about 90 percent population resides in rural background of state of Himachal Pradesh. Apart from different occupations, farming in rural sector is a great source of livelihood for semiskilled and unskilled labour in India. However, the practices and pattern of farming is changing drastically with the passage of time. Farmers are adopting new technology and shifting rapidly towards more commercial crops. The concept of production for self and family has shifted towards production for market and creation of utility. There is a rate race for production of more cash crops with short maturity time span. Demand for hybrid seeds has outsmarted the use of valuable traditional crops like; *Millets, Ragi, Bithu, Jou,kawani, Oghal, Rodha Dhan, Bharath, Klao, Kolth, Alsi, Til, Masar,* Cheena, *Chuddar sarson, Ewaley* etc. The cultivation practice of whole grain or *Shri Ann* has almost disappeared nowadays despite of its incredible health benefits. The culture of more spray more crop is increasing rapidly. In this approach the excessive application of insecticides, pesticides, herbicides or weedicides had deteriorated the fertility contents of soil.

The farming practices based on hybrid seeds and digital technology is resulting in some hazards effects and deriving attention towards some sensitive issues as follows. The core areas like health is adversely affected by the cultivation of cash crops. There is vast increase in the serious diseases like heart attack, irregular blood pressure, kidney failures, cancer, etc. Consequently there is unrest among society and the cases of depression and stress is increasing speedily among public in general. The poisonous sprays substances are resulting in water contamination and leading towards multiple water prone diseases. The accessibility to subsidy based machinery is promoting use of heavy technology in farming. Which is resulting in labour crisis and handling problem among unskilled labour. The use of capital intensive technology is also increasing cost of production and reducing the side of net profit among farmers. The cultivation of more cash crops is negatively affecting the production of traditional crops. The seeds of traditional crops are endangered due to their least cultivation practices. Besides the culture of fast food or junk food among youth is increasing rapidly. Which is disturbing their stamina, vitality and enthusiasm. Besides female community is becoming more anaemic and which is adversely affecting the sensitive issue of conception among females.

In nutshell the changing dimension of farming pattern in rural area is negatively affecting young generation by deteriorating its physical and mental health. The above prescribed sensitive issues needs to be settled wisely so that young economy like India could sustain its human capital.

Dr Labh Singh
Dept. of Economics

जी-20 की संरचना

<u>**प्रस्तावः**</u> जी-20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत दिसंबर 1999 में हुई थी। इसकी शुरुआत जर्मनी की राजधानी बरलिन से हुई। इसके बाद निश्चय हुआ कि साल में एक बार जी-20 देशों के नेताओं की बैठक की जाएगी। ग्रुप ऑफ ट्वेंटी जी-2 0 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख सच है। यह सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक संरचना और अधिशासन निर्धारित करने तथा उसे मजबूत करने में भूमिका निभाता है। भारत भी 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता करेगा।

<u>**जी-20 क्या है:**</u> जी-20 को ग्रुप ऑफ ट्वेंटी कहा जाता है। यह यूरोपीय यूनियन एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी-20 शिखर सम्मेलन में सभी नेता हर साल जुड़ते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

<u>**जी-20 के सदस्यः**</u> ग्रुप ऑफ ट्वेंटी जी-20 में 19 देश अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका तथा यूरोपीय देश शामिल हैं।

जी-20 का उद्देश्यः जी-20 के प्रमुख उद्देश्य और अन्य मुद्दों पर वैश्विक नीति के समन्वय के लिए नियमित रूप से मिलना, चर्चा करना तथा उसमें सुधार करना या निपटाना है। पिछले शिखर सम्मेलन ने भी कोविड-19 महामारी, 2008 के वित्तीय संकट, ईरानी परमाणु कार्यक्रम और सीरियाई गृह युद्ध को भी संबोधित किया है।

<u>**जी-20 के कार्यः**</u> जी-20 अपने सदस्यों के अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और निर्णय करने के लिए प्रमुख मंच है। जी-20 के नेता वर्ष में एक बार बैठक करते हैं। इसके अलावा वर्ष के दौरान देश के वित्त मंत्री और केन्द्रीय बैंक के गवर्नर वैश्विक अर्थव्यवस्था को बनाने, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में सुधार लाने और प्रत्येक आर्थिक सुधार पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से बैठक करते हैं।

<u>**उपसंहारः**</u> जी-20 दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का समूह है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा तय करता है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एजेंडे तय किए जाते हैं। ये समूह मुख्य रूप से ग्लोबल इकोनॉमी, आर्थिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन के मुद्दे, सतत विकास इत्यादि प्रक्रियाओं पर कार्य करता है।

भुवनेश्वरी
बी०ए० प्रथम वर्ष

फैशन डिज़ाइनिंग में आजीविका की संभावना

फैशन डिज़ाइनिंग में करियर बनाना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। यह सिर्फ कपड़े डिज़ाइन करने का पाठ्यक्रम है। इसमें किसी भी विषय का विद्यार्थी अपना करियर बना सकता है। 10वीं के बाद सर्टिफिकेट और 12वीं के बाद स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की जा सकती है। इस पाठ्यक्रम के लिए बैंकिंग ग्रुप द्वारा बिना ब्याज के लोन भी दिया जाता है। इसमें कला, गणित और कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए भी विभिन्न पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जैसेः – फैशन कम्यूनिकेशन, फैशन कंटेंट राइटिंग और ब्लॉगिंग सहित अन्य पाठ्यक्रम में होते हैं। इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी फैशन रिटेल ब्रांड्स, गारमेंट मैन्यूफैक्चरिंग सेगमेंट, फैशन कंसल्टेंसी, फैशन फोटोग्राफी, फैशन टेक्सटाइल इंडस्ट्री, टीवी मूवी प्रोडक्शन हाऊस, कास्टयूम डिज़ाइन, फैशन स्टाइलिस्ट, फैशन स्टोर मैनेजर, फैशन लेक्चरशिप सहित अन्य क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं।

फैशन डिज़ाइन के अंतर्गत कोर्सः

फैशन डिज़ाइनिंग के लिए कई सारे पाठ्यक्रम हैं, इनमें दो वर्षों का एडवांस डिप्लोमा और तीन वर्षों का फैशन डिज़ाइनिंग में स्पेशलाइज़ेशन कोर्स होता है। साथ ही बी डिज़ाइन इन फैशन, बीएससी इन फैशन, बीए फैशन डिज़ाइन, डिप्लोमा इन फैशन डिज़ाइनिंग सर्टिफिकेट कोर्स इन फैशन डिज़ाइनिंग पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय और निजी कॉलेजों में संचालित किए जाते हैं।

फैशन डिज़ाइनिंग एक अच्छा करियर क्यों है?

फैशन डिज़ाइन सबसे रचनात्मक और प्रसिद्ध करियर विकल्पों में से एक है। यह कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक प्रमाणिक रूप है और यह स्थान चकाचौंध और ग्लैमर के लिए जाना जाता है।

फैशन डिज़ाइनिंग में स्कोपः

फैशन डिज़ाइनिंग का दायरा केवल भारत तक ही नहीं है, बल्कि किसी को भी अपनी रचनात्मकता और अनुभव के साथ विदेश में नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। भारत में फैशन डिज़ाइनिंग के बहुत सारे अवसर हैं। बैंगलौर, कर्नाटक, नई दिल्ली और चेन्नई में फैशन डिज़ाइन वेतन लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ वेतन संभावनाएँ राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं।

भारत में वर्तमान में देश के औद्योगिक, ग्राफिक, संचार, पैकेजिंग और अन्य ऐसे उद्योगों के लिए 62000 से अधिक डिज़ाइनरों की आवश्यकता है, जिनमें केवल 7000 योग्य डिज़ाइनर हैं। यह उन अवसरों और संभावनाओं को दर्शाता है जो भारत में डिज़ाइन उद्योग के पास हैं।

गीना ठाकुर

बी०ए० अन्तिम वर्ष

विद्यार्थी जीवन में बचत और निवेश के तरीके

बचत: सामान्य अर्थों में बचत का अर्थ धन को संरक्षित करने तथा बैंक में रखने, म्यूचल फंड में निवेश करने इत्यादि से लगाया जाता है। लेकिन व्यापक अर्थ में बचत शब्द खर्च घटाने, संसाधन बचाने जैसे आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रयुक्त होता है।

विद्यार्थी जीवन में बचत एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थी जीवन में बचत करके हम अपने भविष्य को संवार सकते हैं। विद्यार्थी जीवन में की बचत हमारे भविष्य में काम आएगी।

विद्यार्थी जीवन में हम कई तरीकों से बचत कर सकते हैंः

1. **बजट बनाना:** बजट बनाने से यह पता लग जाएगा कि आखिर आप कितना पैसा कहाँ और फालतू में खर्च कर रहे हैं तो आपको इससे पता चल जाएगा कि आखिर आपको अपनी बचत कहाँ करनी है। इसका मतलब है कि आपको अपना मासिक बजट बनाना चाहिए और पहले ही सोच लेना चाहिए कि कितना पैसा कहाँ निवेश करना चाहिए।
2. **जिन चीजों का इस्तेमाल न हो उन पर पैसे खर्च न करें:** कई ऐसे लोग होते हैं जो जोश और शौक में कुछ भी खरीद लाते हैं जिसको लाने के बाद वो अफसोस करने लगते हैं कि उन्हें यह नहीं लाना चाहिए था। क्योंकि उसका कोई ठोस उपयोग नहीं होता है। यदि आपको सिगरेट या बीड़ी या मदिरा पीने जैसे शौक हैं तो आप इनका इस्तेमाल कम करें, ये आपकी सेहत के लिए भी खराब है और साथ ही आपके पैसे में भी बचत नहीं करने देगा।

उदाहरण के तौर पर एक नौजवान व्यक्ति अपनी 20 वर्ष की उम्र से ही एक सिगरेट की डिब्बी का एक दिन में इस्तेमाल करता है जिसकी कीमत 90 रुपये है, तो उसका आजीवन आय का विश्लेषण इस तरह से हैः समय कीमत खर्च 1 दिन 90902 सप्ताह 90 X 76301 महीना 90 X 3027001 वर्ष 90 X 3651095030 वर्ष 10950 X 3032850050 वर्ष 10950 X 5054750060 वर्ष 10950 X 6065700070 वर्ष 10950 X 7076650080 वर्ष 10950 X 80876000 इस तरह से उसने एक सिगरेट की डिब्बी का एक दिन में इस्तेमाल करके उसके आजीवन आय का विश्लेषण 876000 रुपये रहा। यदि उसने सिगरेट की डिब्बी पर खर्च न करके उन पैसों की बचत की होती, तो उसके पास 80 वर्ष तक 876000 रुपये जमा हो जाने थे। इसके अलावा बहुत सी छोटी-छोटी बातें होती हैं जिन्हें आप अपनी रोजमर्रा में शामिल करके काफी सारा पैसा आप अपने लिए बचा सकते हैं। जैसेः-

अच्छी सेहत के लिए अच्छी-अच्छी डाइट लें, ताकि डॉक्टर के पास न जाना पड़े।

3. जो हमें हमारे घर से जेब खर्च मिलता है, उसका कुछ हिस्सा हम अपने बैंक में जमा करके रख सकते हैं। यदि हम हर महीने 500 रूपये जमा करते हैं, तो उस पर ब्याज लगेगा तथा उसकी ब्याज की दर बढ़ती रहेगी।
4. अपने रोज के खर्चों में से थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर बैंक में आरडी खुलवा सकते हैं, जिसमें आपको जमा पैसे के साथ एक निश्चित मुनाफा भी मिलता है। आरडी में आपको हर महीने में एक निश्चित रकम डालनी होती है, जिसके दबाव में आप पैसा अवश्य बचा लेते हैं।

सबसे पहले तो खुद को मिलने वाले पैसे को संभालकर खर्च करने की आदत डालें। आपको जो पैसा मिल रहा हो, उसे बचाएं और उसका निवेश करें। उत्तम श्रेष्ठ बचत तरीकों का इस्तेमाल करके आप अपने जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं और अपने भविष्य के लिए बचत को बढ़ा सकते हैं।

अंकिता चौहान
बी.ए. अन्तिम वर्ष

फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का महत्व

फोटोग्राफी एक कला है जिसमें किसी एक व्यक्ति, जगह (स्थान), जंगली जानवरों और पशु पक्षियों को एक तस्वीर के अंदर कैद किया जाता है। और उन तस्वीरों को किसी खास संग्रहालय में रखी जाती है जिससे लोग उन्हें देखें और उन तस्वीरों में छुपी खास बातों या गहराइयों को जान सकें।

फोटोग्राफी किसी न किसी तरह आपके जीवन में खेलती है। जब तक हम एक तस्वीर में अपने जीवन का विवरण छिपा हुआ नहीं देखते हैं तब तक हमें यह एहसास नहीं होता है कि फोटोग्राफी का वास्तव में हम पर कितना बड़ा प्रभाव है। जब आप अपने फोटो एल्बम को पलटते हैं तो आपको अचानक एहसास होता है कि आप वास्तव में धन्य हैं। यह तभी संभव है अगर आप उन विवरणों को तलाश करना शुरू करते हैं। एक तस्वीर एक पल को समय में स्थिर रखती है इसलिए हमारे पास यह हमेशा के लिए है। जैसा कि हम किसी तस्वीर को गहराई से देखते हैं, आनंद जैसा कुछ स्पष्ट हो जाता है।

जब कोई प्रिय व्यक्ति इस धरती से

चला जाता है तब भी आपके द्वारा खींची गई तस्वीरें "उनके अस्तित्व का प्रमाण" होती हैं। फोटोग्राफी से आप अपनी जीवन यात्रा के प्रत्येक चरण और आपके महत्वपूर्ण लोगों की जीवन यात्रा का दस्तावेजीकरण कर सकते हैं। फोटोग्राफी न केवल आपके जीवन की घटनाओं को दर्ज करने का एक तरीका है, बल्कि दुनिया की उन घटनाओं का भी दस्तावेजीकरण करती है जो इतिहास में बदल जाती हैं। ये तस्वीरें महत्वपूर्ण हैं ताकि हम यह न भूलें कि क्या हुआ था और आने वाली पीढ़ी के पास इसका प्रमाण होना चाहिए।

फोटोग्राफी के लिए किसी प्रकार की योग्यता की आवश्यकता नहीं होती है। फोटोग्राफी जिन लोगों का जुनून है उन लोगों के लिए किसी भी तरह की योग्यता की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके बाद भी अगर आप इसके लिए कोई प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं तो 12वीं के बाद इसके कई तरह के कोर्स में एडमिशन लेकर प्रोफेशनल फोटोग्राफी सीख सकते हैं। 12वीं के बाद फोटोग्राफी के कई तरह की डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, उनमें दाखिला लिया जा सकता है। आप 12वीं में सफलता प्राप्त करने के बाद बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का कोर्स करके डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस पूरे कोर्स को करने के लिए आपको तीन साल का समय देना होता है जिसमें आपको फोटोग्राफी करने के साथ-साथ अच्छी राइटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है। इसके अलावा आपको फोटोशॉप जैसे सॉफ्टवेयर का भी ज्ञान होना जरूरी है ताकि अपनी फोटोग्राफी स्किल को और अधिक निखार जा सके।

फोटोग्राफी का करियर बहुत प्रकार के होते हैं। फोटोग्राफी एक रचनात्मक कैरियर है और यह एक व्यक्ति के रचनात्मक कौशल को विकसित करता है। एक लोकप्रिय और कुशल फोटोग्राफर को भारत में अधिक भुगतान किया जाता है। अगर आप खुद को एक कुशल फोटोग्राफर के रूप में प्रतिष्ठित कर पाए तो आपको पैसे की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।

फोटोग्राफर जो सामाजिक मुद्दों को कवर करते हैं और उन्हें विभिन्न समाचार पत्रों में भेजते हैं, उन्हें फोटोजर्नलिस्ट कहा जाता है। ये पत्रकार फ्रीलांसरों (स्वतंत्र रूप से) के रूप में काम कर सकते हैं।

फोटोग्राफर जो कार्यक्रम देखने और

लोगों से संबंध बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, वह पार्टियों, शादी, कुछ उत्पादों, समारोहों आदि के शुभारंभ को प्रस्तुत करते हैं। ये फोटोग्राफर हजारों लोगों के साथ एक बड़े संगीत कार्यक्रम या नाचने वालों की तस्वीरें लेने के लिए अनुभवी होने चाहिए।

फोटोग्राफर जिसको प्रकृति से प्रेम और जिसे पक्षियों और वन्य जीव से प्रेम है, वह वन्य जीव फोटोग्राफर बन सकता है। वह विभिन्न चैनलों और पत्रिकाओं से जुड़े हैं और वन्य जीवों के विभिन्न पहलुओं को कवर कर सकते हैं। और पत्रिकाओं के साथ जुड़ने पर उन्हें आपके खींची तस्वीरें भेजकर अच्छे खासे पैसे कमा सकते हैं।

फोटोग्राफर जिन्हें फैशन का शौक होता है और जो लोगों की सुंदरता को दिखाना चाहते हैं, वे फैशन फोटोग्राफर बन सकते हैं। आप फैशन फोटोग्राफर बनकर लोगों को उनकी अंदर की सुंदरता को दिखा सकते हैं। उनका करियर बना सकते हैं। फैशन की दुनिया में यह काम सबसे बेहतर है।

राहुल
बी.ए. अन्तिम वर्ष

पहाड़ी अनुभाग

प्रो० जय सिंह
प्राध्यापक सम्पादक
पहाड़ी अनुभाग

प्रो० रीता देवी
प्राध्यापक सह-सम्पादक
पहाड़ी अनुभाग

हरीश लता
(कला स्नातक, तृतीय वर्ष)
छात्रा सम्पादक
पहाड़ी अनुभाग

विषय सूचि

क्र.सं.	विषय	लेखक	पृ०सं०
1.	विद्यार्थियों से दो शब्द	जय सिंह नेगी एसीस्टैंट प्रोफेसर, इतिहास	41
2.	म्हारा गाँव	साक्षी	42
3.	म्हारा कॉलेज	रीतिका	42
4.	कुणी केतरा बढ़िया लिखा दा	मनीश शर्मा	43
5.	दहेज प्रथा	मनीश शर्मा	43
6.	छतरी रा शैला	अमन	44
7.	घौरा घौरा री कहाणी	उमा	44
8.	जिन्दगी रा सच	निशा	44
9.	म्हारे माश्टर स्टाईल	डिम्पल कुमारी	45
10.	नशा	शालू कुमारी	45
11.	मेरौ देश हिन्दुस्तान	शालू कुमारी	46
12.	पहाड़ी चुटकुले	शालू कुमारी	46
13.	आजाकाला रै शोहरू ए हाल	हरीश लता	47
14.	बझाहणी	हरीश लता	47
15.	शिक्षा	अशमित कुमार	48
16.	नशया कमाल	निशा कुमारी	48
17.	फैशने दौड़	मंजुला कुमारी	48

विद्यार्थियों से दो शब्द

यह कहना बहुत आसान है कि परिश्रम तुम्हारे बायें हाथ में और सफलता दायें हाथ में है। दरअसल बात करना आसान होता है। परन्तु उसको अंजाम देना उतना ही मुश्किल है। मैं आप विद्यार्थियों की बात कर रहा हूँ। पर्वत चढ़ना वैसे ही आसान नहीं पर लक्ष्य अगर ऐवरेस्ट का शिखर है तो तैयारी से लेकर विजय तक परिश्रम भी सर्वाधिक करना पड़ता है। जीवन में सफलता प्राप्त करना पहाड़ चढ़ने जैसा ही है। बहाने भूल जाइये और विपत्तियों को अनदेखा करें। अपनी तुच्छ इच्छाओं को त्यागकर नित्य कुछ घण्टे तक मेहनत करेंगे तभी सफलता सम्भव हो सकती है। सम्भव इसलिए क्योंकि निश्चित कुछ भी नहीं है।

कहना यह है कि चाहे कोई भी अभियान हो या इम्तिहान हो सफलता उन्हीं के हाथ में लगती है जो सफलता के लिए जज्बा रखते हैं। पहले राह चाहिए फिर चाह चाहिए। तेज दिमाग किसी परिश्रम में सफलता की गारन्टी नहीं। यह बात जीवन और अध्ययन के हर क्षेत्र में लागू होती है। अगर आपको विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे बल्लेबाज बनना है तो बचपन से ही रोज घण्टों प्रयास करना होता है। अगर आप तेज दिमाग वाले हैं तो आपको साठ प्रतिशत ही अंक क्यों मिलते हैं? अच्छा खेलते हैं तो महाविद्यालय टीम में क्यों नहीं?

अगर हमने रामधारी सिंह दिनकर की 'रश्मिरथी' पढ़ी हो तो ढूंढकर पढ़िए। प्रेरणा का असीम सागर है यह। अगर आपने अपने कवियों को नहीं जाना। अगर आप अपने देश-प्रदेश के इतिहास और रस्मों से वाकिफ नहीं हैं आपको देश की राजनीति या धर्म में रूचि नहीं है आपके हृदय में स्वप्न नहीं है तो आप अनपढ़ और जाहिल लोगों से भी बदतर है। परन्तु एक बात जान लीजियेगा कि सबसे पहले हमारा लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए। लक्ष्य निर्धारित होने के बाद 99 प्रतिशत समय परिश्रम में जाता है इसके बावजूद मंजिल तक वही पहुंचते हैं जो चलते और चलते चले जाते हैं।

हमारे हिमाचल प्रदेश के शिक्षक बहुत अच्छे हैं। शिक्षण पद्धति में कोई कमी नहीं है फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली परीक्षाओं में हमारे प्रदेश के विद्यार्थी दूसरे राज्यों के विद्यार्थियों से पीछे रह जाते हैं। आखिर क्यों? मुख्यतः यह परिश्रम की कमी का ही नतीजा है। सच्चाई यह है कि आई.आई.टी., आई.ए.एस., आई.पी.एस. जैसी परिक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास चाहिए। स्थिति, परिवर्तन हो चाहे जैसे भी हो परिश्रम तो करना ही पड़ेगा।

जय सिंह नेगी

एसीस्टैंट प्रोफेसर, इतिहास

म्हारा गाँव

म्हारे गाँव रा नाउं आसा महरूटी। म्हारे गाँव रा डाकघर आसा रूहमणी। तेसी ओरी पोरी आसा हरे भरे पेड। म्हारे गाँव रे लोग असा भोले भाले। म्हारे गाँव रे बीच आसा एक स्कूल तेथ बैठा पहली पोरी पांजवी तक क्लासा। तेथ आसा एक आंगनवाडी केन्द्र। तेथ हौआ भांती भांतिये शोहरू। म्हारे प्राइमरी स्कूल बीचे आसा एक खेलने ओ ग्राउंड। तेथ खेला हामे भांती भांतिये खेल। म्हारे गांव आसा एक मंदिर तेई देवो नाऊ आसा मारकण्डे ऋषि। म्हारे गांव लागदा आजकाला शौजा रा काम। तेई कामा करी करी गए थकी हामे। म्हारे गाँव आसा भांति भांतिये पेड पौधे। हामा लागा आपनो गाँव सोभी का प्यारो। म्हारे गाँव दी आसा होछे होछे भाऊचेऊ। तिन्हा सागी लागा म्हारी उडे उडे खेलने मौज।
ते लागा हामा आपणो गाँव पेरो।
लोकगीतः चाल मेरे संगी साथियो यारो वोटा देन्दे जाना। ऐया बारी म्हारे साथियों यारो दीप राज जी जताना। जे0 पी0 नड्डा साऊगी जाना गला करदे हामे। चाल मेरे संगी-साथियो वोटा देन्दे जाना। काम-काज म्हारे सोभी रे कराने। चाल मेरे संगी-साथियो यारो वोटा देन्दे जाना।

साक्षी
बी0ए0 प्रथम वर्ष

म्हारा कॉलेज

म्हारा कॉलेज अनाऊँ आसा
जी0डी0सी0 छतरी।
म्हारी क्लासा बैठा छतरी पंचायते।
मास्टर आसा इंदी 3, शोहरू आसा चौंठ।
क्लासा लागा म्हारी 3,4,1
म्हारे मास्टर पढ़ा बड़े ही प्यारो करे।
शोहरू इच्छा इदी पढ़ दे दूरा दराक।
तिंदी आसा एक लाइब्रेरी।
तेथ जा शोहरू अखबारा पढ़ दे।
तिंदी आसा 3 कमरे।
म्हारा कॉलेज आसा हर चीजा आजु।
तिंदी आसा हामा बैठने ल डेस्क होर कुर्सी।
हामा आसा इंदी सोब व्यवस्था।

रीतिका
बी0ए0 अन्तिम वर्ष

कुणी केतरा बढ़िया लिखा दा

शौख लागी थी गजबे पानी था जहरा आला पिंदे तो तेबे जाणे थे मरे ना पिंदे तेबे जाणे थे मरे .... बस एंऊही मसले ना हुए मेरे हल
ना नींज पूरे हुए और ना ख्वाब
वक्ते बोला काश थोडा जा सब्र
होंदा होर सब्रे बोला काश थोडा जा वक्त होंदा।
शिकायते ता थी हैं जिंदगी का पर
चुप आसी हूँ किले कि जुण ते देया
सः नी होंदा सबीले नसीब।
तेखा शुजु ये मुखा हिज जिंदगी सः थे आपणे ही राह दे लाग दे बोल दे।
तेखा लोअली में सः ओरे-पोरे सः ले लाग दे लुकेया हाँस दे मैं।
बोला जिंदगी ले-आरे जिंदगी ये एतरा दुःख किले लेय दा मुले तें देणा।
सः बोला हाँसे केरे आरा पागला हूँ आसा जिंदीगी ताखा थाले यादा जीणा सिखाण।

मनीश शर्मा
बी०ए० अन्तिम वर्ष

दहेज प्रथा

लानत आसा ऐस हिन्दू समाजा गे।
जरा गौर करा तुमे एस रीति रिवाजा गे।
हूँ शुनाऊ तुमाका एक सच्चे गप्प।
आनी थी एक बस्ती पुराणी।
शोरू होर शोरिया बाप था गरीब बचेरा।
बचेरा गया डे आपणे शोरू शोरी छाडेया सः था मजबूर।
एबे तेस शोरूए बहन रहा थे तेस सः रहा थे बचेरा परेशान ही धेले-रेचे।
भाई ये सोचा कि बहना रिश्ता लेना एबे जोले।
बिना दहेजे लेऊ एबे एक मोड।
भाईये भी हेर कराये आपणी बहने सगाये होर बोल दा लागा कि तू गए हुए एबे पराए।
घरे गरीबे नीसे ऐरे एबे पूरे हुए अनी सथा ताका बोलुए।
देणे लेता नी मुखा ताले आथी कीछ भी नी नी आथा पांजे बाहोर ना आथी सुनेय अंगुठी चाल वे जुण भी मुखा आसी सः हेरणा मुं ताले देये।
सः घे लागा आछे सः रेच भी गये आछे जेबे दुल्हे ए बरात घरे पुजे।
दुल्हे बाबा जेबे दहेज मांगा बचैरे बहन और भाई गैश गै मौत छाए।
भाई वहीं मर कर ढेर हो गया और बचैरी तेसरी बहन थे तेस हुए हाल बुरे कि मेरा बाब मुंआ बचैरा दाये मेरी भाई मुंआ गरीबी ऐं।
बस मेरा अ पैगाम आसा कि दुनिया दे जेतरे भी गरीब आसी तिणा जिउण हाराम! धन्यवाद

मनीश शर्मा
बी०ए० प्रथम वर्ष

छतरी रा शैला

छतरीरा शैला,
लगी शोहरू लेरा,
कॉलेजा छाडी धुपा सेकते जाणा
लाना पुलारा फेरा।
बस स्टैंड ऊझे कॉलेज म्हारा
पाले भोरी री सेरा।
वीन्ही धुपे ठांडी ए बागरी
ए लागी शोहरू लेरा।
छतरीरा शैला लागी शोहरू लेरा।

अमन
बी०ए० अन्तिम वर्ष

जिन्दगी रा सच

जो हामें चाहंदा सो नी मिलदा,
जो हामा मिलदा सो सोचू नी हूँदा,
जो सोचू रा सो कभी मिलदा,
जो मिलदा सो हामा हाजम नी हुंदा,
जो खोऊ रा सो सम्मलंदा नी।
झच्छता जो पाऊ रा सो सम्मलदा नी।
झाणे कि बे आसा ए अजीब जिंदगी।
जैसा कोइ नी सुलझांदे।

निशा
बी०ए० अन्तिम वर्ष

घौरा घौरा री कहाणी

शुणा लोको आजकाले री कहाणी,
ऐ दुनिया आसा कैड़ी लाई बनाणी,
चुट दे लागे रिश्ते नाते,
आमा-बापू न दूर,
बेटा-नुशै री अपनी कहाणी,
बेटे लाडी हेरा बिना
आमा बापू पूछिया आणी,
नुशा लागी कर दी ऊंची वाणी
बेटा लागी बण दी सयाणी,
ऐ सा घौरा-घौरा री कहाणी।
आमा-बापू रै चौणना शुणी
बेटे-नुशै लाई बत्ती बुझाणी,
आमा-बापू रै अछू री
किमत कुणीए जाणी,
ऐ सा लोको घौरा-घौरा री कहाणी,
भाई-भाई रो लड़ाई ता सोवि लोके जाणी,
नई रौहले खापरू-खापरी
ता शोरू व कथा कौसा शुणाणी,
ऐ सा लोका घौरा-घौरा री कहाणी।

उमा
बी०ए० अन्तिम वर्ष

म्हारे माश्टर स्टाईल

म्हारी कक्षा दी बच्चे साठ
देया हर साल फीस
नांई आसा कोई शोहरू उदण्ड
नांई करा कोई शोहरी घमण्ड।
पहल पीरड उर्मिला जी
राजनीति ओ लान्दी
बड़े प्यार संग हामा पढ़ान्दी
पढ़ाने बाद याद करने ले दैन्दी
जुन्ह याद नी करदै
स तेउले थप्पड बी देन्दी।
दुजअ पीरड इतिहास
ओ जय सिंह जी लान्दै
बड़े चाव संग हामा पढ़ान्दै
अनोखअ आसा तिनों पढ़ाने ओ 'स्टाईल'
जुन्ह भी भाला स हआ घायल।
चीउथ पीरड डा0 ललित जी
हिन्दी ओ लान्दै
बड़े बिन्दास 'स्टाईल' संग हामा पढ़ान्दे
ज्यादा जानकारी नी आथी तीने मारे पास
क्योंकि सिंया नी देंन्दे
क्लासा दी करने बकवास।
चौथा पीरड लाभ सिंह जी
अर्थशास्त्र ओ लान्दै
बड़े अनोखे 'स्टाईल' से हामा पढ़ान्दै
कोई नी करद क्लासा दी गला
पढ़ाई ले देया पूरह ध्यान
तेई ता कहलाए लाभ सिंह जी महान।
एही थी म्हारे माश्टर कहानी
अ लिखी मंअे अपनी जुबानी
ऐबे लैई गए कलम जेबादी डाहणी
बुरा बूझो ता दिला नी डाहणी।

डिम्पल कुमारी
बी0ए0 अन्तिम वर्ष

नशा

जगह-जगह नशे रै धंधे।
नशे केरी लागे पागल होंदे।
चौरी डकैती नशे री तैंई।
नशे केरी हुए बेकाबू सैंई।
माँ नी जाणी बापु नी जाणु।
नशे कठे हुआ पागल माणु।
घरा का जादें स्कूलअ पढदें।
स्कूल दी लागे गलत संगती पडदे।
मत कैरा नशा लोगो नशा बुरा होंदा।

शालू कुमारी
बी0ए0 अन्तिम वर्ष

मेरौ देश हिन्दुस्तान

महारे देशा नांव आसा हिन्दुस्तान,
इन्धी जमदै बडै-बडै विद्धान।
प्रधानमंत्री आसा देश यो श्री नरेन्द्र मोदी,
तेई चाहाद अ पूरे भारते स्वच्छता अभियान,
तैही ता आसा सौ
हम्हारे देशा री आन-मान होर शान।
राष्ट्रपति आसा देश ओ श्रीमती द्रोपदी मुर्मू
देशे भविष्य बारे सोचो-सोचो
इच्छा दी तेई राची नींज़।
नाऊ आसा मेरे देशे चार
एहअ नी कौह देश आथी
जैई साऊगी नी एथी व्यापार।
पहलै बोलती मेरे देशा लै सोने की चिड़ियां,
अंग्रेजी भारता लै आती करदै व्यापार।
तेको इन्धी वसी करै बणी ऐया भारते सार।
1857 बारी भारतीय आपए
ओ अधिकारे पहली पुकार,
एसी ता संघर्ष करी 1947 अंग्रेजी हार।
ऐबै लागदी औह विकास लै तेजी करे दौलदो
पिछु बाखा लै और ऐबे कधिनी भालदे।
हामें करी आपने देशा साउगी प्यार।
देशा पिच्छु रहा हामें जाना देणाले तैयार
इन्धी करी सौभे मिली-जुली करें कामकाज
तैही ता आसा मूं आपने भारत देशा गै शान।

शालू कुमारी
बी0ए0 प्रथम वर्ष

पहाड़ी चुटकुले

शोहरू - बापू ओहरी इच्छ

बापू - एस तारे नी बोलदे पापा शादी इज्जता कोई रे

शोहरू - बापू इज्जता साउगी ओहरी इच्छ

महेन्द्र - पापा काला होने हासे मालामाल

पापा – सोह केस तारे घ्

महेन्द्र - काला शिखुणा हामें आपने गणित ए मास्टरे पैंसले रूपये वदलणा।

टीचर - राची मच्छर काटे ते किजे कोरना लागा।

लडका - चुपचाप खुजला कौरे सुतना लागा हामें कोई रजनीकांत किंधी आसा कि मच्छरा क सॉरी बुलवाईले।

शालू कुमारी
बी0ए0 अन्तिम वर्ष

आजाकाला रैं शोहरू ए हाल

आजाकाला रै शोहरू, करा बडा कमाल।
पढदै-लिखदै नी है,
खर्चे लै लाई काढी माँ-बाबे खाल।
माँ-बाब लागे सोचदै,
आसा म्हारे दूइ
किजे हणअ ऊथी ऐसा मंघाई दी
जै इंदे पहलकै जमाने जिए छः सात।
छली-बटूहरू नीं खांदे, खा नीरी दाल-भात।
पीड़्डी बान्हा 'जीन्हा' खीसे पा मबाईल।
पढा लिखा कम भांति-भांति ए करा स्टाइल।
मुंडै शैंपू, मुंहा दी क्रीम।
भीतरी कुर्तो बाहरी टी-शर्ट।
साउगी पा परफूयम।
काना दी डाहा पाई बुद्दी।
संघा डा लाई भांति-भांति ए ट्यून।
12वीं 70 प्रतिशत नम्बर अदीं कर मारी करे की पास।
समझी बडी शान।
पढदअ चाल अ कल जालै माँ-बाबे खाये कान।
तींधी हुआ साल भर मारी करे फेल।
पढाइओ भी हुआ खत्म खेल।
माँ-बाबे बोलअ चाल ऐबै घरालै झट।
नाई आथी ऐबै खर्चअ
घरै गरेंटी खट।

हरीश लता
बी०ए० अन्तिम वर्ष

बझाहणी

1. लाल बटुआ पींउलै पैसे, देखणे आले कुण कैसे
2. गाडे उन्धे डेअ छोकरू, मुंडा परैन्दे टोकरू।
3. इन्दी धागा मण्डी लागा।
4. धमे आऊंदी धमे जाऊंदी, बिणी आगे रोटी पकाऊंदी।
5. लाल-लाल लहरी, फेर बैठे पहरी।
6. तमक-तमक तागा फूल बडा बाल नी लागा।
7. जै हुए लागअद, दैन्दते आणे जै नी हुए लागअद, दैन्दते आणे।
8. पारा ओरही आअ पिकलूदास, झीकले बान्हे शअ पचास।
9. आर भी छलाका पार भी छलाका मांझ नालै गुंफलू पाका।

उत्तरः -

1. पीपली
2. लींगड
3. सडक
4. मांहूं
5. आग
6. ब्रह
7. मोई
8. प्याज
9. नऊणी (मखन)

हरीश लता
बी०ए० अन्तिम वर्ष

शिक्षा

शिक्षा औसी सोभी छाड़े के जरूरी,
न लाओ तीना दिहाड़ी मजदूरी।
शिक्षा आसा सोभी रा अधिकार,
न करा झनौरे अधिकार बेकार।
नहीं राखना कोई शिक्षा दे बगैर,
जो राखे तीणे नी कोए खैर।
शिक्षा बिणी मानव पशु सम्मान,
नाई करदअ कोए तेसरौ सम्मान।
सरकारे ता दिया थ
सर्वशिक्षा अभियान,
कुणिए नी किया तेई समान।
पढ़ी-लिखीओ बण होशियार,
पढ़ो-पढ़ो मेरे यार।

अशमित कुमार
कला स्नातक प्रथम वर्ष

नशया कमाल

हेरा-हेरा इनहा लोगा
बीडी पीणेया देआदा झोका,
ऐआ नी भाडा एंउ जाणदे
तेता पीया दैया आपूलै धोखा।
बीडी पीया करण हंगामा
तेखा होहुंना रोग दमा।
मरजिए डाणा पी तम्बाको,
खंगे-खंगे तेखा नी थको,
पीया ऐता जाणदे नानी,
दादो तेखा भाला
सैंउ टी0बी0 शादी।
जै पीणे लाठेंसर
तेखा हुंना बे से कैंसर
जै खाणा तुम्मा खैनी
तेखा आउणी याद नानी,
जैता खाणी तुम्मा कुबेर
तै लागेणी उल्टीया री ढेर।
जै पीणी तुम्मा शराब
थारे हुंने फेफडे खराब।
शराब पीणे का नी मन्दा तेखा घरै
आपणे टबरा तैन्दे।
जै नी लाणा तुम्मा दम,
तेखा नी हुंना कोई भी गम।

निशा कुमारी
बी0ए0 प्रथम वर्ष

फैशने दौड़

फैशने दौड़ देखो दुनिया री टौहर देखो अमीरे सरकार देखो,
गरीबले परीमार देखो।
स्कुला कॉलेजा रे बहाने, फिल्मा देखणे जांदे।
घरी पूच्छो माँ-बाप तिन्हा जो आख्यिां दिखाई।
आंच नी आच्छणे देंदे पैंटे करीजा दे न धोणे हाथ-मुँह शोहरी
देख दे पूजो बस स्टैंडा दे।
फेल हो जाए कोई गम नहीं।
फैशने मामले दे शोहरी भी कम नहीं।
ऊंची हीला रे सैण्डला, फिट पैंट खुले बाल।
शोरू भालैर्या इंयो, बदलो आपणी चाल।
खरीदनी हो सब्जी,
लगी जाओ टमाटारा तोल दी।
शोरू आच्छो सामणे,
लागी जाओ अंग्रेजी बोल दी।
50 वर्षा रे चाचु, आजकल खाओ कम डाइट।
फैशणे मामले दे पाओ पैंट स्किनटाइट।
आज-काल रे बुढे, भी कम नी दिवाणे।
70 सालों री उमरा दे, नकली दांत लगाणे।
पैंट कमीज साओगे लाणी टाई।
मुंडै लागै पौलो पर करनी डाई।
आज काल रे फैशणे, लोग बदलदे झटपट।
फ्रैंच दाडी मुच्छा मुडवाणी सिंरसे दे गजनी कट।
आज काल रे फैशणे, आसी बुरे हाल।
शोरू-शोरियो त माजा पर
माँओ बाब होए गए लाल।

मंजुला कुमारी
बी0ए0 प्रथम वर्ष

'Milestones'

"Padma Shri" Nek Ram Sharma being felicitated as First Chief Guest during First Annual Function 2023

Dr. Labh Singh exchanging ideas with Chief Guest Dr. G. R. Negi during Annual Function 2023-24

Educationist Dr. Om Rathour being honoured

Dr. Mukesh Sharma welcomed as Chief Guest by Staff Members during Annual Function 2024-25

Sh. Mahesh Chand, Naib-Tehsildar being Honoured by Prof. Jai Singh

Social Activist Sh. Jagdish Thakur felicitated with a memento

Sh. Raghunath Singh Katoch, Pradhan - G. P. Chhatri being honoured by Sh. Kamal Kant

Dr. Mukesh Sharma receiving a memento from Principal & Staff

Founding Staff Members, GDC Chhatri 2022-23

Staff Members on the occasion of Annual Function 2023-24

Students & Staff with BK Sisters, 2022-23

PTA Members with Chief Guest & Staff

CSCA Body with Chief Guest & Staff

Non-Teaching Staff with Chief Guest & Principal

BK Sisters Bindra & Tina presenting a token of Love to the Principal & Staff

Dr. Chirag with Red Ribbon Club Members

Printed By: ADARSH ENTERPRISES, Karsog | 9418114452, 8580675051